शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 232 | गुवाहाटी | गुरुवार, 21 मार्च, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे रामलला पेज 2
मिजोरम में शरण लेने वाले मणिपुरी लोगों के लिए मतदान व्यवस्था की... पेज 3
आसाराम को हाईकोर्ट से झटका महाराष्ट्र में इलाज की इजाजत नहीं पेज 5
पेरिस ओलंपिक के अंति क्वालीफिकेशन के लिए चुनी गई भारतीय टीम... पेज 7

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

ज्ञानी और छल-कपट से रहित शुद्ध मन वाले व्यक्ति को ही मंत्री बनाएं।

- आचार्य चाणक्य

सेमीकंडक्टर के निर्माण से असम वैश्विक मानचित्र पर उभरेगा : रतन टाटा

नई दिल्ली/गुवाहाटी। असम में समीकंडक्टर निर्माण की सुविधा स्थापित करने पर टाटा समूह के दिग्गज रतन टाटा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उद्योगपति और टाटा संस के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा ने कहा है कि असम में सेमीकंडक्टर का निर्माण राज्य को वैश्विक मानचित्र उभरेगा। टाटा समूह ने असम के जागीरोड में सेमीकंडक्टर संयंत्र के लिए 27,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। रतन टाटा टाटा संस के आजीवन मानद चेयरमैन हैं। रतन टाटा ने एक्स पर उनके, हिमंत विश्व शर्मा और टाटा संस के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन की तस्वीरें संलग्न करते हुए पोस्ट किया कि असम में किए जा रहे निवेश ने कैंसर पीड़ितो के जटिल उपचार और देखभाल के लिए राज्य को सक्षम बनाया है। आज, टाटा समूह के साथ साझेदारी में असम की सरकार राज्य को सेमीकंडक्टर के में एक प्रमुख खिलाड़ी बनाएगी। टाटा ने असम सरकार के सहयोग से पहले ही राज्य भर में कई कैंसर केयर अस्पताल स्थापित किए हैं। रतन टाटा ने कहा कि यह नया घटनाक्रम असम को वैश्विक मानचित्र पर उभरेगा। हम असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को उनके समर्थन और दृष्टि के लिए धन्यवाद देना चाहते हैं जिनके कारण यह सब संभव हो पाया। इससे पहले मंगलवार को, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आश्वासन दिया था कि देश की पहली सेमीकंडक्टर चिप दिसंबर 2024 तक बनकर तैयार हो जाएगी और यह पहली मेड इन इंडिया चिप होगी। उन्होंने कहा था कि हमने सेमीकंडक्टर निर्माण का पहला प्रयास 1962 में ही किया था, लेकिन जब तक आपके पास सही नीति और सही दृढ़ विश्वास नहीं होगा, यह संभव नहीं हो सकता है। प्रधानमंत्री मोदी को विश्वास है कि विकासशील भारत के लिए हमें इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण की आवश्यकता है। टीवी से लेकर पावर इलेक्ट्रॉनिक्स तक, हर चीज में हमें सेमीकंडक्टर की जरूरत होती है। 13 मार्च को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली तीन सेमीकंडक्टर निर्माण प्लांट्स की आधारशिला रखी थी। इनमें से दो प्लांट गुजरात में जबकि एक प्लांट असम में तैयार हो रहा है। टाटा समूह इन तीन संयंत्रों में से दो की स्थापना कर रहा। दोनों राज्यों में एक-एक संयंत्र स्थापित करने में टाटा समूह अपना योगदान देगा। भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग अभी एक शुरुआती अवस्था में है। विभिन्न स्थानीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियां इसकी विशाल क्षमता का दोहन करने का इरादा रखती हैं। टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड (टीएसएटी) के नाम से असम के मोरीगांव में एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करेगी। प्रतिदिन 48 मिलियन -शेष पृष्ठ दो पर

लोस चुनाव : पहले चरण की अधिसूचना जारी, 19 अप्रैल को होगा मतदान

नई दिल्ली (हि.स.)। चुनाव आयोग ने बुधवार को पहले चरण के मतदान की अधिसूचना जारी कर दी। इस चरण में 17 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों के लिए 19 अप्रैल को मतदान होगा। नामांकन 27 मार्च तक किए जा सकेंगे, जिनकी जांच 28 मार्च को होगी। बिहार के लिए यह तारीखें 28 मार्च और 30 मार्च हैं। अधिसूचना के अनुसार इस चरण में तमिलनाडु की सभी 33, राजस्थान की 12, उत्तर प्रदेश की 8, मध्य प्रदेश की 6, उत्तराखंड, असम और महाराष्ट्र की 5-5, बिहार की 4, पश्चिम बंगाल की 3, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर और मेघालय की सभी 2-2 और छत्तीसगढ़, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, जम्मू और कश्मीर, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की एक-एक सीट पर पहले चरण में मतदान होगा। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश की 60 विधानसभा सीटों और सिक्किम की सभी 32 -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

झूठे आरोप लगाने वाले व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्देश

धुबड़ी। धुबड़ी में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉस्को) अधिनियम के तहत झूठी प्राथमिकी दर्ज करने वाले एक व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के लिए अदालत के बेंच सहायक को अधिकृत किया है। शिकायतकर्ता ने एफआईआर दर्ज कराई थी कि -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम मोदी ने की जेलेंस्की से बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बात की और उन्हें शांति के सभी प्रयासों और रूस-यूक्रेन संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के लिए भारत के लगातार समर्थन से अवगत कराया। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन पर हुई बातचीत के दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की से यह भी कहा कि भारत यूक्रेन को मानवीय सहायता प्रदान करना जारी रखेगा। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति जेलेंस्की के साथ भारत-यूक्रेन -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा को अल्पसंख्यक भी देंगे वोट : डॉ. शर्मा

करीमगंज (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि अल्पसंख्यक लोग भी इसबार भाजपा को वोट देंगे। उन्होंने कहा कि लोग इस बार दलगत भावना से ऊपर उठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए मतदान करेंगे। मुख्यमंत्री यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की राजनीति में भरोसा रखते हैं। उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक युवाओं ने बगैर किसी रिश्वत दिए ही नौकरियां प्राप्त की हैं। अल्पसंख्यकों को सभी प्रकार की सुविधा दी जा -शेष पृष्ठ दो पर

अल्पसंख्यक विधायक ने भाजपा छोड़ी

गुवाहाटी। असम भाजपा के पहले अल्पसंख्यक विधायक अमीनुल हक लस्कर ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। लस्कर बुधवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। लस्कर असम विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी अपनी राजनीतिक विचारधारा खो चुकी है। 2016-2021 के बीच वह मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय से एकमात्र विधायक थे। 2021 में वह एआईयूडीएफ के करीम उद्दीन बरभुइयां से हार गए। लस्कर, जो वर्तमान में असम राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हैं ने कहा कि 2011 में, जब हम भाजपा में शामिल हुए, तो इसकी एक निश्चित विचारधारा थी, लेकिन आज यह एआईयूडीएफ की तरह सांप्रदायिक कार्ड खेल रही है। आज हम विधायकों को देखते हैं भाजपा के सिलचर लोकसभा सीट के उम्मीदवार के लिए एआईयूडीएफ के अभियान से, जो अस्वीकार्य है। लस्कर ने कहा कि भाजपा और अगप दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और सोनाई क्षेत्र के लोग चाहते हैं कि वह ऐसी पार्टियों से दूर रहें। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह अपने निर्वाचन क्षेत्र में लोगों के विकास के लिए काम करना जारी रखेंगे।

मणिपुर : नदी में डूबने से चार बच्चों की मौत

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर में परिवार के साथ राहत शिविरों में रहने वाले चार बच्चों की नदी में डूबकर मौत हो गई। मरने वाले बच्चों में तीन लड़की और एक लड़क शामिल है। इन सभी बच्चों की उम्र चार से नौ वर्ष के बीच है। मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के कारण ये सभी तुइबुओंग में ईसीए कनान राहत शिविर में रह रहे थे। मंगलवार की दोपहर करीब दो बजे चारो बच्चे नदी में नहाने गए थे। जब बच्चे काफी देर तक वापस नहीं लौटे, तब उनके परिवार ने उन्हें ढूंढना -शेष पृष्ठ दो पर

मूल निवासियों पर नहीं होगा सीएए का असर : सोनोवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल ने बुधवार को कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) का असम के मूल निवासियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी, जलमार्ग और आयुष मंत्री ने दावा किया कि समाज के सभी वर्ग राजग सरकार से खुश हैं, भले ही उनकी जाति, नस्ल और धर्म कुछ भी हो, क्योंकि सरकार ने पिछले 10 वर्षों में उनके हितों की रक्षा की है। असम के पूर्व सीएम रहे सोनोवाल ने कहा कि सीएए एक राष्ट्रीय कानून है। विपक्ष बेबुनियाद भड़काऊ बयानों से चाहे जो भी स्थिति पैदा कर रहा हो, इससे असम के सामान्य और पढ़े लिखे नागरिकों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। आम लोग जानते हैं कि कानून उनके हितों को प्रभावित नहीं करने वाला है और वे कानून की असलियत जानते हैं। असम के मूल निवासियों के हितों पर इसका कोई असर नहीं होगा। सोनोवाल ने कहा कि लोगों को भड़काने के लिए बयान देने की कोशिश हो रही है। कहा जा रहा है कि लाखों विदेशी आएंगे और असम के लोगों की पहचान को नष्ट कर देंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं होगा और भविष्य में भी ऐसा नहीं होगा। केंद्र सरकार ने हाल ही में नागरिकता संशोधन कानून के नियम लागू कर दिए हैं, जिससे पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के ऐसे गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो गया है, जिनके पास दस्तावेज नहीं हैं और जो 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत आ गए थे। लोकसभा चुनाव पर सोनोवाल ने कहा हम राजग (एनडीए) के लिए 12 से ज्यादा सीट की उम्मीद -शेष पृष्ठ दो पर

घुसपैठियों को भारत में रहने का अधिकार नहीं : मोदी सरकार की एससी में दो टूक

नई दिल्ली। भारत में हिरासत में लिए गए रोहिंग्या शरणार्थियों की रिहाई की मांग करने वाली एक जनहित याचिका में संघ ने यह कहकर अपना रुख स्पष्ट कर दिया कि रोहिंग्या अवैध अप्रवासी हैं और उन्हें निवास करने और बसने का अधिकार नहीं है, जो केवल नागरिकों के लिए उपलब्ध एक मौलिक अधिकार है। यह देखते हुए कि भारत एक बड़ी आबादी वाला विकासशील देश है, यह भी कहा गया कि इसके नागरिकों के कल्याण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस प्रकार शरणार्थियों के रूप में विदेशियों की पूर्ण स्वीकृति, विशेषकर तब जब बहुसंख्यक लोग अवैध रूप से देश में प्रवेश कर चुके हों, स्वीकार नहीं किया जा सकता। दुनिया की सबसे बड़ी आबादी और -शेष पृष्ठ दो पर

बरपेटा सांसद खालेक ने बदला फैसला

नई दिल्ली। मान-मनौवल के बाद कांग्रेस पार्टी से नाराज असम के बरपेटा से सांसद अब्दुल खालेक ने अपना इस्तीफा वापस ले लिया। कांग्रेस नेता ने बुधवार को पार्टी संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी से मुलाकात की। इसके बाद उनका बयान सामने आया कि उन्हें सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और वायनाड सांसद राहुल गांधी पर पूरा भरोसा है। बरपेटा सांसद खालेक का कांग्रेस ने लोकसभा टिकट -शेष पृष्ठ दो पर

चुनावी बॉन्ड से भाजपा को ज्यादा चंदा मिलने की बात सबसे बड़ा झूठ : अमित शाह

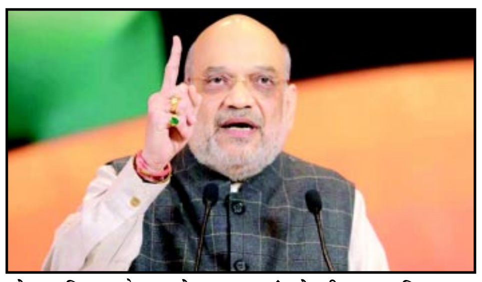

नई दिल्ली। अमित शाह ने भाजपा को चुनावी बॉन्ड के मार्फत ज्यादा चंदा मिलने के विपक्ष के दावे को सरासर झूठ करार दिया है। शाह ने साफ किया कि इंडी गठबंधन को भी भाजपा के बराबर ही 6200 करोड़ का चंदा चुनावी बॉन्ड के मार्फत मिला है। चुनावी बॉन्ड को लेकर विपक्ष के हमले का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि गुरूवार को इनकी जानकारी सार्वजनिक होने के बाद विपक्षी नेताओं को मुंह छुपाने की जगह नहीं मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सीधी टिप्पणी करने से बचते हुए शाह ने कहा कि चुनावी बॉन्ड योजना से राजनीतिक फंडिंग में कालेधन के इस्तेमाल रोकने में काफी हद तक मिल रही थी और इसके लिए उन्होंने आंकड़े भी प्रस्तुत किए। एक मीडिया समूह के कार्यक्रम में बोलते हुए अमित शाह ने विपक्ष पर चुनावी बॉन्ड योजना के बारे में झूठ फैलाने का -शेष पृष्ठ दो पर

भारत में एक फीसदी आबादी के पास 40 फीसदी संपत्ति

नई दिल्ली। भारत में 2000 के दशक की शुरुआत से आर्थिक असमानता लगातार बढ़ रही है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022-23 में देश की सबसे अमीर एक प्रतिशत आबादी की आय में हिस्सेदारी बढ़कर 22.6 प्रतिशत हो गई है। वहीं संपत्ति में उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 40.1 प्रतिशत हो गई है। *भारत में आमदनी और संपदा में असमानता, 1922-2023: अरबपति राज का उदय* शीर्षक वाली रिपोर्ट कहती है कि 2014-15 और 2022-23 के बीच शीर्ष स्तर की असमानता में वृद्धि विशेष रूप से -शेष पृष्ठ दो पर

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर प्रेरक कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी। द वर्ल्ड वीमेन ऑर्गनाइजेशन, असम ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गुवाहाटी प्रेस क्लब में बीते सोमवार को महिलाओं को प्ररित करने वाले एक प्रोन्नतिपरक एवं अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया। महिलाओं को प्रेरित करने वाला कार्यक्रम शिक्षित महिलाएं, सशक्त महिलाएं एवं विश्व सशक्तिकरण से संबंधित था। यह जानकारी जारी एक प्रेस सूचना में दी गई।

प्राप्त प्रेस सूचना के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसएन सिंह आइपीएस, असम सरकार के डीजीसीडी एवं होमगार्ड असम सरकार, बांग्लादश दूतावास के सहायक आयुक्त राहुल अमीन, मिस

पारिजात भूयां, एसीएस (मेट्रो), वर्ल्ड वीमेन ऑर्गनाइजेशन की चेयरपर्सन डॉ. आसमां बेगम एवं अन्य प्रतिष्ठित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम के विशेष अतिथि मोलोइ बोरा आइएएस (अवकाशप्राप्त) निदेशक, एईआरसी गोवा थीं। विशिष्ट अतिथि बांग्लादेश दूतावास में सहायक आयुक्त राहुल अमीन थे। विशिष्ट अतिथियों में घाना दूतावास में फर्स्ट सेक्रेटरी कॉनसुलर / वेलफेयर मिस जीन असांतेवाह कुसी, एडीसी मेट्रो मिस पारिजात भूंया, एसीएस, डीवाई 365 की प्रबंध निदेशक मिस देपान्निता जायसवाल और एनके टीवी के कन्सलटिंग एडिटर प्रणय बरदलै, एनके टीवी के कन्सलटिंग एडिटर निलय बरदलै थे।

कार्यक्रम में प्राग के निदेशक डॉ. अक्षत नारायण, जो युवा उद्यमी हैं और अनेक पुरस्कार प्राप्त कर चुके हैं, लेखक-गीतकार-उद्यमी मंजुला हजारिका, सुश्री अंजली दास, उद्यमी (जो लद्दाख तक पैदल यात्रा कर चुकी हैं), सुश्री अंजुमा अहमद, प्रबंध निदेशक, गुवाहाटी मेट्रो हॉस्पिटल एवं नगांव मेट्रो हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर, एमएस ईरेक्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड, डीवाई 365 की सीनियर पत्रकार स्निग्धा सिका, सुश्री धृति माले डेका, सामाजिक कार्यकर्ता (यह एक मात्र महिला हैं, जो कोविड काल में मृतकों का दाह-संस्कार किया था), डॉ. रानी दास पाठक, पी आर यूएसटीएम -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे रामलला

सीएसआईआर-एनबीआरआई के वैज्ञानिकों ने तैयार किए दो खास हर्बल गुलाल

लखनऊ (हि.स.)। अयोध्या के भव्य-दिव्य-नव्य मंदिर में विराज रहे श्रीरामलला इस बार कचनार के फूलों से बने गुलाल से होली खेलेंगे। विरासत को सम्मान देने के भाव के साथ सीएसआईआर-एनबीआरआई के वैज्ञानिकों ने कचनार के फूलों से बने गुलाल को खास तौर पर तैयार किया है। यही नहीं वैज्ञानिकों ने गोरखपुर स्थित गोरखनाथ मंदिर में चढ़ाए हुए फूलों से भी एक हर्बल गुलाल तैयार किया है। बुधवार को संस्थान के निदेशक ने दोनों खास गुलाल मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेंट किए। मुख्यमंत्री ने इस विशेष पहल के लिए संस्थान के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश के साथ-साथ देश के कई स्टार्ट-अप और उद्यमियों के लिए अधिक अवसर एवं रोजगार प्रदान करेगा। निदेशक डॉ. अजित कुमार शासनी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अयोध्या में रामायणकालीन वृक्षों का संरक्षण किया जा रहा है। विरासत को सम्मान और परंपरा के संरक्षण देने के यह प्रयास हमारे वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणास्पद है। इसी के तहत संस्थान ने

श्रीराम जन्मभूमि के लिए बौहिनिया प्रजाति जिसे आमतौर पर कचनार के नाम से जाना जाता है, के फूलों से हर्बल गुलाल बनाया है। कचनार को त्रेतायुग में अयोध्या का राज्य वृक्ष माना जाता था और यह हमारे आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति की सुस्थापित औषधि के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल आदि गुण होते हैं। इसी तरह गोरखनाथ मंदिर में चढ़ाए हुए फूलों से हर्बल गुलाल को तैयार किया गया है। इन हर्बल गुलाल का परीक्षण किया जा चुका है और यह मानव त्वचा के लिए पूरी तरह से सुरक्षित और पर्यावरण के अनुक्वल है। निदेशक डॉ. शासनी ने बताया कि कचनार के फूलों से हर्बल गुलाल लैवेंडर फ्लेवर में बनाया गया है, जबकि गोरखनाथ मंदिर में चढ़ाए हुए फूलों से हर्बल गुलाल चंदन फ्लेवर में विकसित किया गया है। इन हर्बल गुलाल में रंग चमकीले नहीं होते क्योंकि इनमें लेड, क्रोमियम और निकल जैसे केमिकल नहीं होते हैं। फूलों से निकाले गए रंगों को प्राकृतिक घटकों के साथ मिला कर पाउडर बनाया जाता है। इसे त्वचा से आसानी से पोंछ कर हटाया जा सकता है। गुलाल की बाजार में बेहतर उपलब्धता के लिए हर्बल गुलाल तकनीक को कई कंपनियों और स्टार्ट-अप्स को हस्तांतरित किया गया हैं। वर्तमान में बाजार में उपलब्ध रासायनिक गुलाल के बारे में बात करते हुए डॉ. शासनी ने कहा कि ये वास्तव में जहरीले होते हैं। इनमें खतरनाक रसायन होते हैं जो त्वचा और आंखों में एलर्जी, जलन और गंभीर समस्या पैदा कर सकते हैं। हर्बल गुलाल की पहचान करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि यह अन्य गुलाल की तरह हाथों में जल्दी रंग नहीं छोड़ेगा। संस्थान द्वारा विकसित हर्बल गुलाल होली के अवसर पर बाजार में बिक रहे हानिकारक रासायनिक रंगों का एक सुरक्षित विकल्प है।

परवाह नहीं चीन क्या कहता है

ड्रैगन के दावे पर किरेन रिजिजू की दो टूक

इटानगर। चीन का अरुणाचल पर एक बार फिर दावा करने के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दो टूक शब्दों में जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नों में भी चीन की संस्कृति और सभ्यता से अरुणाचल का कोई संबंध नहीं रहा है। अरुणाचल प्रदेश पहले से ही भारत का अभिन्न हिस्सा रहा है। गौरतलब है कि उनकी टिप्पणियां चीन द्वारा अरुणाचल प्रदेश को चीन के क्षेत्र का हिस्सा बताने के बारे में नए सिरे से दावे के बाद आईं। हाल ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूर्वोत्तर राज्य अरुणाचल प्रदेश की यात्रा पर चीन ने आपत्ति जताई थी। चीन के अरुणाचल प्रदेश पर दावे को खारिज करते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि ऐतिहासिक रूप से हमारा चीन के साथ कोई जुड़ा या कोई संबंध नहीं रहा है। इसलिए अरुणाचल का चीन का हिस्सा होने का तो कभी सवाल ही नहीं उठ सकता है। चीन के बयान पर दो टूक जवाब में किरेन रिजिजू ने कहा कि राज्य के क्षेत्र पर दावा करने से जमीन स्तर पर स्थिति नहीं बदलती है। वास्तविकता में अरुणाचल भारत का हिस्सा है और आगे भी रहेगा, इसमें कोई शक नहीं है। अपने क्षेत्र को विकसित करना हमारा संप्रभु अधिका है और कोई भी हम पर आपत्ति नहीं कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा पर चीन की आपत्ति के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि प्रधानमंत्री या केंद्र सरकार की कोई भी एजेंसी और उस मामले में कोई भी भारतीय अरुणाचल प्रदेश के किसी भी हिस्से में जा सकता है क्योंकि पूर्वोत्तर राज्य भारत का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हमें इसकी परवाह नहीं है कि चीन क्या कहता है। सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के बारे में किरेन रिजिजू ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों में सड़कों, सुरंगों और पुलों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रगति हुई है।

मणिपुर में प्रशिक्षण शिविर नष्ट, हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने तेंगनौपाल जिले के लोकचाओ के सामान्य क्षेत्र में एक ग्रामीण स्वयंसेवक प्रशिक्षण शिविर को नष्ट कर दिया। शिविर से एक 40 मिमी अनुपयोगी ग्रेनेड लांचर, दो स्थानीय निर्मित तात्कालिक ग्रेनेड लांचर, चार पोम्पी, छह स्थानीय बम, बीस लकड़ी की डमी बंदूकें और चार आईईडी बरामद किया गया। इस संबंध में आगे की जांच के लिए मामला दर्ज कर लिया गया है।

कांग्रेस ने लोस के दो उम्मीदवारों की घोषणा की

इटानगर (हिंस)। कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति ने मंगलवार को अरुणाचल प्रदेश के दोनों लोक सभा क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों का नाम जारी किया। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाबम तूकी और राज्य कार्यकारी कांग्रेस समिति के अध्यक्ष बोसीराम सिरम शामिल हैं। नाबम तुकी वेस्ट अरुणाचल निर्वाचन क्षेत्र वर्तमान केंद्रीय मंत्री किरण रिजीजू के निर्वाचन क्षेत्र से लड़ेंगे और बसीराम सिराम ईस्ट अरुणाचल निर्वाचन क्षेत्र से वर्तमान भाजपा के लोकसभा सदस्य तापिर गाव के निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे।

60 की उम्र में डॉन अशोक महतो ने रचाई शादी, पत्नी को टिकट देंगे लालू!

पटना। लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल लगातार जारी है। बिहार में भी जबरदस्त तरीके से सियासत हो रही है। इन सब के बीच 90 के दशक में लगातार सुर्खियों में रहने वाला बिहार का बाहुबली अशोक महतो एक बार फिर से चर्चा में है। दरअसल अशोक महतो ने 55 साल की उम्र में शादी रचा ली है। आश्चर्य की बात तो यह है कि यह शादी खरमास में हुई है यानी कि जिस मुहूर्त में शुभ काम नहीं होता है उसी में यह शादी रचाई गई है। अशोक महतो ने 46 साल की अनीता से शादी की है। बिहार की राजनीतिक गलियारों में इस शादी की चर्चा जबरदस्त तरीके से जारी है। इसका पूरी तरीके से चुनावी कनेक्शन भी है। दरअसल, अशोक महतो मुंगेर लोकसभा सीट से किस्मत आजमाना चाहते हैं। अशोक महतो 17 साल तक जेल में रहकर बाहर आए हैं। उन पर कई नरसंहार में शामिल होने का आरोप है। इस वजह से वह खुद चुनावी मैदान में नहीं उतर सकते हैं। ऐसे में बताया जा रहा है कि लालू यादव और तेजस्वी यादव के कहने पर ही उन्होंने खरमास में शादी की है। खबर है कि उनकी पत्नी अनीता को मुंगेर सीट से जदयू के ललन सिंह के खिलाफ आरजेडी टिकट दे सकती है। शादी के बाद अशोक महतो खुद लालू प्रसाद यादव से मिलने भी पहुंचे थे। उन्होंने लालू प्रसाद यादव का आशीर्वाद लिया है। ऐसे में इस बात की संभावना जताई जा रही है कि

उनकी पत्नी को मुंगेर से टिकट मिल सकता है। इसके अलावा नवादा से भी चर्चा हो रही है। हालांकि यह पहला मौका नहीं है जब बिहार की राजनीति में इस तरह की शादी की चर्चा है। इससे पहले नीतीश कुमार भी यह दांव खेल चुके हैं। दरअसल दरौंदा की विधायक जगमतो देवी का निधन हो गया था। उनके पुत्र अजय सिंह चुनाव लड़ना चाहते थे। हालांकि नीतीश कुमार उनकी आपराधिक छवि को देखते हुए टिकट देने को तैयार नहीं थे। नीतीश ने उनके समक्ष शादी करने की शर्त रखी थी। अजय सिंह ने तब पितृपक्ष के समय शादी रचाई थी। फिर 2011 के चुनाव में उनकी पत्नी कविता सिंह जबरदस्त तरीके से जीतने में कामयाब हुई। 2019 तक कविता सिंह दरौंदा की विधायक रही हैं। फिलहाल वह सिवान से सांसद हैं। उनकी लोकप्रियता भी जबरदस्त तरीके से की है।

मणिपुर पुलिस ने 272 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 272 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 345 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 277 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 131 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

एचसी ने ईडी के समक्ष पेश होने को कहा तो केजरीवाल बोले-

अरेस्ट से प्रोटेक्शन चाहिए

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की उस याचिका पर प्रवर्तन निदेशालय से उसका रुख पूछा, जिसमें उन्होंने आबकारी नीति *घोटाले* से जुड़े धनशोधन के मामले में अपने खिलाफ जारी समन को चुनौती दी है। प्रवर्तन निदेशालय ने दावा किया कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। याचिका में धन शोधन निवारण अधिनियम के कुछ प्रावधानों को भी चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस संबंध में जवाब दाखिल करने के लिए ईडी को दो सप्ताह का समय दिया है। केजरीवाल ने हाल में मिले ईडी के समनों के मद्देनजर अदालत का रुख किया है, ईडी द्वारा जारी नौवें समन में उनसे धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत पूछताछ के लिए 21 मार्च को पेश होने के लिए कहा गया है। केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि याचिका में कई मुद्दे उठाए गए हैं, जिनमें यह भी शामिल है कि क्या कोई राजनीतिक दल धन शोधन रोधी कानून के दायरे में आता है। अदालत ने आप नेता से यह भी पूछा कि वह समन की अनुपालना में पेश क्यों नहीं हो रहे हैं।

याचिकाकर्ता के वरिष्ठ वकील ने कहा कि इस मामले में दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा की आवश्यकता है क्योंकि चुनाव नजदीक होने पर उन्हें (केजरीवाल को) पकड़ने की एजेंसी की मंशा स्पष्ट है। मामले की अगली सुनवाई 22 अप्रैल को होगी। मुख्यमंत्री ने ईडी के समन को अवैध बताते हुए एजेंसी के समक्ष पेश होने से लगातार इनकार किया है। यह मामला 2021-22 के लिए दिल्ली सरकार की आबकारी नीति को तैयार करने और क्रियान्वित करने में कथित भ्रष्टाचार से संबंधित है। इस विवादित नीति को बाद में रद्द कर दिया गया था। उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना की सिफारिश के बाद केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने कथित भ्रष्टाचार के मामले में प्राथमिकी दर्ज की और इसके आधार पर ईडी ने धनशोधन के आरोप की जांच शुरू की। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में समन पर पेश न होने को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज करायी दो शिकायतों के मामले में केजरीवाल को शनिवार को जमानत दे दी थी। अदालत ने ईडी को केजरीवाल को शिकायतों से जुड़े दस्तावेज भी सौंपने का निर्देश दिया था।

पृष्ठ एक का शेष

सेमीकंडक्टर के निर्माण...

चिप्स उत्पादन की क्षमता वाली इस सुविधा का निर्माण 27,000 करोड़ रुपए से की लागत से किया जा रहा है। यहां जिन सेगमेंट को कवर किया जाएगा वे ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिक वाहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार और मोबाइल फोन हैं। शिलान्यास समारोह के दौरान मौजूद असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि भारत में उद्योगों ने पिछली औद्योगिक क्रांतियों के दौरान व्यवसायों के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र को उचित स्थान नहीं दिया। अब इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

लोस चुनाव : पहले ...

विधानसभा सीटों पर भी इस चरण में मतदान होगा। दोनों राज्यों की विधानसभा के नतीजे 2 जून को आएंगे। बाकी सभी सीटों के नतीजे चार जून को आएंगे। इस चरण में अरुणाचल पश्चिम, अरुणाचल पूर्व, काजीरंगा, शोणितपुर, लखीमपुर, डिब्रूगढ़, जोरहाट, औरंगाबाद, गया (एससी), नवादा, जमुई (एससी), बस्तर (एसटी), सीधी, शहडोल (एसटी), जबलपुर, मण्डला (एसटी), बालाघाट, छिंदवाड़ा, रामटेक (एससी), नागपुर, भन्डारा, गोंदिया, गड़चिरोली, चिमुर (एसटी), चंद्रपुर, आंतरिक मणिपुर, बाह्य मणिपुर (एसटी), शिलांग (एसटी), तुरा (एसटी), मिजोरम (एसटी), नगालैंड, गंगानगर (एससी), बीकानेर (एससी), चूरू, झुन्झुनू, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर (एससी), करौली, धौलपुर (एससी), दौसा (एसटी), नागौर, सिक्किम, तिरुवल्लुर (एससी), चेन्नई उत्तर, चेन्नई दक्षिण, चेन्नई केंद्रीय, श्रीपेरूम्बुदूर, कांचीपुरम (एससी), अराकोन्नम, वेल्लोर, कृष्णागिरी, धर्मापुरी, तिरूवन्नामलाई, अरानी, विलुपुरम (एससी), कल्लाकुरिची, सलेम, नामाक्कल, इरोड, तिरूप्पुर, नीलगिरि (एससी), कोयम्बटूर, पोल्लाची, डिण्डीगुल, करूर, तिरुचिरापल्ली, पेरम्बलुर /, कुड्डालोर, चिदम्बरम (एससी), मइलादुथुरई, नागापट्टिनम (एससी), थन्जावुर, शिवगंगा, मदुरई, थेनी, विरुधुनगर, रामानाथपुरम, थूथुक्कुडी, टेनकासी (एससी), तिरुनेलवेली, कन्याकुमारी, त्रिपुरा पश्चिम, सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना (एससी), मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, टिहरी गढ़वाल, गढ़वाल, अल्मोड़ा (एससी), नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, हरिद्वार, क्वच बिहार (एससी), अलीपुर द्वारस (एसटी), जलपाईगुड़ी (एससी), अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ऊधमपुर, लक्षद्वीप (एसटी), पुडुचेरी सीट के लिए मतदान होगा।

भाजपा को अल्पसंख्यक...

रही है। यही वजह है कि आज अल्पसंख्यक समाज के लोग भी मोदी को वोट देने जा रहे हैं। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवारों को वोट देकर कोई फायदा नहीं है, क्योंकि यदि धोखे से वे जीत भी गए तो जीतने के बाद भाजपा में ही शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि जनता को उम्मीदवारों से पूछना होगा कि आप वोट लेकर भाजपा में तो नहीं जाएंगे। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवारों में से एक को छोड़कर सभी भाजपा में शामिल हो सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि करीमगंज समेत राज्य की 13 सीटों पर भाजपा चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा कि गुवाहाटी सीट पर सबसे अधिक मतों के अंतर से भाजपा उम्मीदवार की जीत होगी। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि गौरव गोगोई दो लाख से अधिक वोटों के अंतर से चुनाव हारेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के अन्य कई सवालों के भी सीधे-सीधे उत्तर दिए।

मणिपुर : नदी में ...

शुरू किया। पुलिस को इसकी जानकार दी गई, जिसके बाद उन्होंने भी बच्चों को ढूंढना शुरू किया। पुलिस ने बताया कि बुधवार की सुबह छह बजे बच्चों का शव नदी में मिला। मणिपुर में मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में राज्य के पहाड़ी जिलों में *आदिवासी एकजुटता मार्च* का आयोजन किया गया था। जिसके बाद तीन मई को जातीय हिंसा भड़क गई थी। मणिपुर की आबादी में मैतेई समुदाय की हिस्सेदारी करीब 53 फीसदी है और वे ज्यादातर इंफाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी नगा और कुकी 40 फीसदी से थोड़ा अधिक हैं और पहाड़ी जिलों में रहते हैं। बता दें कि मणिपुर में जारी हिंसा में अबतक 160 से भी ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

मूल निवासियों पर ...

कर रहे हैं। अभी तक जो स्थिति सामने आई है और लोग आपस में जो भी चर्चा कर रहे हैं, उससे यह आंकड़ा काफी हद तक संभव लगता है। भाजपा ने असम की 14 में से 11 सीट पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं जबकि उसकी सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) ने दो सीट पर और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने एक सीट पर उम्मीदवार उतारा है। वर्तमान में लोकसभा में राज्य से भाजपा के नौ सांसद हैं, जबकि उसके सहयोगी एजीपी और यूपीपीएल का कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। कांग्रेस के पास तीन और एआईयूडीएफ के पास एक सीट है जबकि एक अन्य सीट पर निर्दलीय का कब्जा है।

घुसपैठियों को भारत...

सीमित संसाधनों वाले विकासशील देश के रूप में देश के अपने नागरिकों को प्राथमिकता दी जानी आवश्यक है। इसलिए, विदेशियों को शरणार्थी के रूप में पूरी तरह से स्वीकार नहीं किया जा सकता, खासकर जहां ऐसे अधिकांश विदेशियों ने अवैध रूप से देश में प्रवेश किया है। गृह मंत्रालय के अवर सचिव द्वारा हस्ताक्षरित हलफनामे में नीतिगत मामले के रूप में अवैध प्रवासन के खिलाफ सरकार के रुख पर जोर दिया गया है। इसका समर्थन करने के लिए, इसने विदेशी अधिनियम के तहत एक अवैध प्रवासी व्यक्ति को निर्वासित करने के अपने कानूनी दायित्व को भी रेखांकित किया है। यह याचिका स्वतंत्र मल्टीमीडिया पत्रकार प्रियाली सूर ने दायर की थी। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि उत्पीड़न की पृष्ठभूमि और भेदभाव के बावजूद रोहिंग्या के साथ भारत में उन्हें आधिकारिक तौर पर अवैध अप्रवासी के रूप में लेबल किया गया है और अमानवीय व्यवहार और प्रतिबंधों का सामना करना पड़ता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि रोहिंग्याओं को अपने खिलाफ नरसंहार के हमलों से बचने के लिए अपने गृह राज्य से भागना पड़ा, जिस पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय ने भी ध्यान दिया है।

बरपेटा सांसद खालेक...

काट दिया। जिसके बाद उन्होंने शुक्रवार को पार्टी से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, सोनिया गांधी से मुलाकात के बाद उनका एक बयान सामने आया जिसमें उन्होंने कांग्रेस नेताओं के प्रति अपना भरोसा जताया। उनके इस बयान के बाद संभावना जताई जाने लगी कि वह अपना फैसला बदल सकते हैं और उन्होंने शाम होते होते अपना इस्तीफा वापस ले लिया। अब्दुल खालेक ने कहा कि कांग्रेस को मजबूत करना समय की मांग है, इसलिए मैं अपना इस्तीफा वापस लेता हूं। साथ ही उन्होंने खड़गे और राहुल के नेतृत्व में काम करने की इच्छा प्रकट की। कांग्रेस ने बरपेटा से मौजूदा सांसद अब्दुल खालेक का टिकट काट दिया और उनकी जगह पर दीप बायान को प्रत्याशी बनाया। खैर अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कांग्रेस अब्दुल खालेक को टिकट देगी या नहीं ?

चुनावी बॉन्ड से भाजपा ...

आरोप लगाया। चुनावी बॉन्ड को सरकार की हफ्ता वसूली वाले राहुल गांधी के बयान जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें बताना चाहिए कि कांग्रेस ने 1600 करोड़ रुपए की हफ्ता वसूली किससे की। सरकार से मदद की आड़ में बॉन्ड लेने के झूठ का पर्दाफाश करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को चुनावी बॉन्ड से 90 फीसद फंड चुनाव के दौरान मिला है, जब आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होती है। आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू होने के दौरान सरकार किसी भी मदद करने की स्थिति में नहीं होती है। उन्होंने कहा कि इनमें से तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक के चुनावी बॉन्ड 2019 में चुनाव के दौरान लागू आदर्श चुनाव आचार संहिता के बीच मिले थे। अमित शाह ने कहा कि चुनावी बॉन्ड योजना लागू होने से राजनीतिक फंडिंग में कालेधन का इस्तेमाल कम करने में मदद मिली है। इसके लिए उन्होंने भाजपा के फंडिंग का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि चुनावी बॉन्ड योजना लागू होने के पहले भाजपा को 81 फीसद से अधिक फंडिंग नकद के रूप में मिलती थी, जो योजना लागू होने के बाद 2017 और 2018 में 17 फीसद आ गई। उन्होंने बताया कि 2023 में भाजपा को नकद के रूप में सिर्फ तीन फीसद का चुनावी फंड कैश में और बाकि 97 फीसद चुनावी बॉन्ड के रूप में पार्टी के खाते में मिले थे। विपक्षी नेताओं पर चुनावी फंडिंग की आड़ में निजी फंडिंग का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि चुनावी बॉन्ड का विरोध कर वे पुरानी रवायत को बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। 1500 रुपए की नकद फंडिंग में 100 रुपए पार्टी फंड और बाकी अपनी जेब में रखने की विपक्षी नेताओं की पुरानी प्रवृति को उजागर करते हुए शाह ने कहा कि चुनावी बॉन्ड से मार्फत फंडिंग ने पूरे 1500 रुपए पार्टी के खाते में जमा होना सुनिश्चित कराया था। अमित शाह ने हिंदू धर्म में वर्णित शक्ति को समाप्त करने के राहुल गांधी के बयान का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें न तो हमारी परंपराओं की जानकारी है और न ही वे उसका सम्मान करते है। हजारों वर्षों से हमारे देश में मातृशक्ति को सबसे बड़ी शक्ति माना गया है। उन्हें मालूम नहीं है कि वो क्या बाल रहे हैं। नारी शक्ति को प्रधानमंत्री मोदी के साथ चट्टान की तरह खड़ी होने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार चुनाव में राहुल गांधी को इस शक्ति का परिचय मिल जाएगा।

भारत में एक फीसदी ...

धन के केंद्रित होने से पता चलती है। रिपोर्ट थॉमस पिकेटी (पेरिस स्क्वल ऑफ इकनॉमिक्स एंड वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब), लुकास चांसल (हार्वर्ड कैनेडी स्क्वल एंड वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब) और नितिन कुमार भारती (न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी और वर्ल्ड इनइक्वलिटी लैब) द्वारा लिखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार 2022-23 तक सबसे अमीर एक प्रतिशत लोगों का आय और संपदा में हिस्सा ऐतिहासिक उच्चस्तर क्रमश: 22.6 प्रतिशत और 40.1 प्रतिशत पर था। भारत की शीर्ष एक प्रतिशत आमदनी हिस्सेदारी दुनिया में सबसे अधिक है। यह दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और अमेरिका से भी अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया कि शुद्ध संपत्ति के नजरिये से भारतीय आयकर प्रणाली प्रतिगामी नजर आती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में आर्थिक आंकड़ों की गुणवत्ता काफी खराब है और हाल ही में इसमें गिरावट देखी गई है। इसमें कहा गया है कि भारत में सबसे अमीर एक प्रतिशत आबादी का आमदनी में हिस्सा ऊंचे स्तर पर है। यह संभवत: सिर्फ पेरू,यमन और कुछ अन्य देशों से ही कम है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस...

वरिष्ठ पत्रकार सुश्री मोनमोरोमी महंत, उद्यमी सुश्री नीलिमा चौधरी, गायिका एवं उद्यमी गायत्री हजारिका, नंदिनी चौधरी, एमडी लिबाज उद्यमी, सुश्री ईवा महंत, एनडी 24 की सहायक समाचार संपादक, सामाजिक कार्यकर्ता बर्णाली बर्मन (महिला उद्यमियों के लिए कार्य करती हैं), डॉ. प्रियम कश्यप, मि. ट्रांसजेंडर, एनई (ट्रांस), जानमोनी कश्यप, मेकअप आर्टिस्ट, प्रथम एवं (ट्रांस), वरीय पत्रकार सुश्री प्रियंका शर्मा भारद्वाज, बोडी बिल्डिंग, 2023 में मिस इंडिया सुश्री बर्णाली बसुमतारी, असमिया प्रतिदिन की उप संपादक सुश्री उर्वशी फूकन, गायिका एवं उद्यमी सुश्री मृणमोई गोस्वामी, जुमी अहमद किचेन एक्सपर्ट (कुकिंग), सोनमा महंत उद्यमी, सुश्री श्रुतिमाला बरकटकी, निदेशक, जीरो 9 कॉम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पार्टनर वैभवम फूड्स, डॉ. बंदना बरुवा, प्रिंसिपल, आर्मी पब्लिक स्कूल, एडीबी बनश्री गोस्वामी, एडवोकेट, सामाजिक कार्यकर्ता, जुमी देवी चौधरी, प्रोग्राम हेड प्रथम खबर 24×7, श्रीमती गायत्री हजारिका, गायिका एवं उद्यमी श्रीमती धृति डेका, उद्यमी इत्यादि ने भागीदारी कीं।

झूठे आरोप लगाने ...

एक व्यक्ति ने उसकी 16 वर्षीय बेटी के साथ बलात्कार किया, आपत्तिजनक तस्वीरें लीं और उनके साथ उसे ब्लैकमेल कर रहा था। नतीजतन, आरोपी को नवंबर 2023 को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, मुकदमे के दौरान, शिकायतकर्ता ने न्यायाधीश के सामने स्वीकार किया कि एफआईआर दर्ज करने की प्रेरणा आरोपी द्वारा उसकी बेटी को दिए गए शादी के प्रस्ताव पर गुस्से में थी। इसके बाद उन्होंने न्यायिक कार्यवाही रोकने की इच्छा व्यक्त की। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ममता भदानी, जो पॉस्को विशेष न्यायाधीश के रूप में भी काम करती हैं, ने 14 मार्च को कहा कि पॉस्को अधिनियम के तहत मामलों को जिस गंभीरता और तात्कालिकता के साथ संभाला जाता है, उसे देखते हुए इस तरह की तुच्छ प्रथाओं को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। जवाब में, उन्होंने बेंच सहायक सौरव कर्माकर को आरोपी के खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज करने के लिए धुबड़ी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत में लड़की के पिता के खिलाफ शिकायत दर्ज करने का निर्देश दिया।

पीएम मोदी ने...

साझेदारी को मजबूत करने पर अच्छी बातचीत हुई। शांति के सभी प्रयासों और चल रहे संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के लिए भारत के लगातार समर्थन से अवगत कराया। भारत अपनी जन-केंद्रित दृष्टिकोण द्वारा निर्देशित मानवीय सहायता प्रदान करना जारी रखेगा। जेलेंस्की से बातचीत के ठीक पहले मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की और उन्हें पांचवें कार्यकाल के लिए बधाई दी तथा कहा कि बातचीत व क्वटनीति ही रूस-यूक्रेन संघर्ष को सुलझाने की दिशा में आगे का रास्ता है।

पशु तस्करी में शामिल पांच व्यक्ति गिरफ्तार

तीन वाहन जब्त, 28 पशु बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के वशिष्ठ थाना क्षेत्र के जोराबाट पुलिस चौकी की पुलिस ने पशु तस्करी मामले में शामिल पांच पशु तस्करों को 28 मवेशी समेत गिरफ्तार किया है। गुवाहाटी के पुलिस कमिश्नर ने बुधवार को बताया कि आज तड़के जोराबाट पुलिस गुप्त सूचना के आधार पर मेघालय की ओर जा रहे मिनी ट्रक (एएस-01जेसी-9963) और एक ट्रैवेलर बस (एएस-01केसी-2227) को जब्त किया। दोनों वाहनों में मेघालय के पशु बाजार तक अवैध तरीके से 28 मवेशियों की तस्करी की जा रही थी। वहीं पुलिस ने अभियान के दौरान पशु तस्कर की एक अल्टो कार (एएस-12डी-5085) को भी जब्त किया है। गिरफ्तार पशु तस्करों की पहचान चालक मुर्तुजा अली, सहचालक नबी हुसैन, चालक शहीदुल अली, सुल्तान अली और कार चालक अजीबुर रहमान को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद पशुओं की तस्करी जारी है।

मिजोरम में शरण लेने वाले मणिपुरी लोगों के लिए मतदान व्यवस्था की कोई योजना नहीं : अधिकारी

एजल। अपने गृह राज्य में जातीय हिंसा के बाद मिजोरम में शरण लेने वाले मणिपुर के कुकी-जो समुदाय के हजारों लोग लोकसभा चुनाव में अपने मताधिकार का इस्तेमाल संभवत: नहीं कर पाएंगे। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह कहा। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि मणिपुर के आंतरिक रूप से विस्थापित इन लोगों (आईडीपी) के लिए मतदान की अब तक कोई व्यवस्था नहीं की गई है। पीटीआई-द्वारा प्राप्त मिजोरम गृह विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पड़ोसी मणिपुर के कुल मिलाकर 9,196 वयस्कों और बच्चों ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में शरण ली है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर पत्रकारों से कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में विस्थापित मणिपुरी लोगों को आगामी चुनावों में अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने में सक्षम बनाने के लिए निर्वाचन आयोग के अधिकारी बातचीत कर रहे हैं लेकिन उनके लिए विशेष व्यवस्था करने की अब तक कोई योजना नहीं है। मणिपुर की दो लोकसभा सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होगा।

पशु तस्करी में संलिप्तता के आरोपी एएसआई लाइन हाजिर

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी की जोराबाट पुलिस चौकी पर तैनात एक असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर को लाइन हाजिर कर दिया गया है। पुलिस अधिकारी पर मवेशी तस्करी रैकेट में शामिल होने का आरोप है। आरोपों के अनुसार, जोराबाट पुलिस चौकी के सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) मोतलेब अली ने अवैध पशु तस्करी के व्यापार को जारी रखने की अनुमति देने के साथ ही कथित तौर पर विभिन्न जबरन वसूली की गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे।

रंगिया : दुर्गा मंदिर योग केंद्र का शुभारंभ

रंगिया (विभास)। रंगिया में दुर्गा मंदिर योग केंद्र का शुभारंभ किया गया। इस योग केंद्र का उद्घाटन जानेमाने योग चिकित्सक योगाचार्य ज्योतिष कलिता द्वारा मंगलवार को किया गया। रंगिया की अग्रणी स्वेच्छासेवी संस्था साधना द्वारा संचालित इस योग केंद्र में अनुभवी योग शिक्षकों द्वारा प्रतिदिन प्रात: 5-30 से 6-30 बजे तक नियमित नियमित रूप से योगाभ्यास कराया जाएगा। आशा की गई है कि यह योग केंद्र तिनाली के लोगों सहित वृहत्तर रंगिया के लोगों के अच्छे स्वास्थ्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगा। इस योग केंद्र का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलन के साथ प्रात: 5.30 बजे किया गया। इस मौके पर बहुत से स्थानीय लोग उपस्थित रहे। वहीं उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मानबेंद्र शर्मा गर्ल्स कॉलेज, रंगिया की प्रिंसिपल कनिका गोस्वामी ने भाग लिया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार के लिए प्रतिदिन केवल एक घंटा योग का अभ्यास करने का आग्रह किया।

भू-माफिया के साथ सांठगांठ के आरोप में वकील गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले में भू-माफिया के साथ कथित सांठगांठ के आरोप में एक वकील को गिरफ्तार कर लिया गया या है। पुलिस ने आज बताया कि आरोपित वकील की पहचान रोबीउल हुसैन के रूप में हुई है, जिसे अपराध अनुसंधान शाखा (सीआईडी) द्वारा गिरफ्तार किया गया है। आरोपों के अनुसार बरपेटा में पकड़े गए हुसैन का भू-माफिया समसुल हक के साथ घनिष्ठ संबंध था। अपनी गिरफ्तारी से पहले, हुसैन कामरूप मेट्रोपॉलिटन जिला आयुक्त कार्यालय में एक सुरक्षा गार्ड के रूप में काम करता था। आरोप है कि हक ने फर्जी जमीन घोटाले को अंजाम देने के लिए दो डिप्टी रजिस्ट्रार के साथ मिलकर साजिश रची थी।

शुभम एलाइट कल्चरल कमेटी का होली उत्सव संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। गांधी बस्ती स्थित शुभम एलाईट की कल्चरल कमेटी ने तीन दिवसीय होली कार्यक्रम के अंतर्गत मंगलवार की शाम रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें राजस्थान से आए गायक अभिषेक मिश्रा ने होली चंग धमाल गीतों की धुन पर सबको नचा दिया। कल्चरल कमेटी के सदस्यों ने भी चंग धमाल प्रस्तुत कर होली का आनंद लिया। कार्यक्रम के संयोजक सुरेंद्र गोलछा (दौलत) ने बताया कि आगामी 24 मार्च को समिति के प्रांगण में होलिका दहन एवं 25 मार्च को होली रंग उत्सव मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में समन्वयक अजय तिवारी, कोषाध्यक्ष राजेश सुराना, सह कोषाध्यक्ष गौरव देवड़ा एवम सह संयोजक मधुवन यादव ने सक्रिय सहयोग दिया। गौरतलब है कि शुभम एलाईट कल्चरल समिति इस कार्यक्रम को गत 7 सालों से करती आ रही है।

रंगिया महकमा सिविल अस्पताल ने मनाया वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे

रंगिया (विभास)। रंगिया महकमा सिविल अस्पताल में बुधवार को वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे मनाया गया। इस अवसर पर, अस्पताल के सम्मेलन कक्ष में एक जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन अस्पताल के उप-अधीक्षक डॉ. दिलीप कुमार वैश्य द्वारा किया गया जिसमे रंगिया महकमा के चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. निलमनी कलिता, बीपीएम मंजिल कुमार बरगोहाई, बीसीएम लखीमी बरूआ भी उपस्थित रहे। वहीं दूसरी ओर रंगिया मॉडल अस्पताल के चिकित्सक डॉ. दर्शना गर्ग, दंत चिकित्सक डॉ. अजंता तालुकदार और डॉ. निलंजना दास सहित बहुत से स्वास्थ्य अधिकारियों ओरल की स्वच्छता की जरूरत और इसके लिए ली जाने वाली सावधानियों पर प्रकाश डाला। स्वास्थ्य कार्यकर्ता अमूल्य वैश्य के सामग्रीक परिचालन में आयोजित इस कार्यक्रम में रंगिया के विभिन्न हिस्सों से सैकड़ों लोगों सहित चिकित्सालय के चिकित्सकों और कर्मचारियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. पापोरी दास द्वारा किया गया।

रंगिया थाना प्रभारी का तबादला स्थानीय लोगों में छाई मायूसी

रंगया (विभास)। रंगिया थाना प्रभारी भास्कर मल्ल पटवारी के तबादले से स्थानीय लोगों में मायूसी देखी जा रही है। पटवारी पिछले 9 दिसंबर बर्ष 2021 से रंगिया थाना प्रभारी के रूप में कार्यरत रहे है। पदभार ग्रहण करने के बाद से ही उन्होंने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने में तत्परता से काम किया। अपने कार्यकाल के दौरान पटवारी ने रंगिया में कई आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम ही नही की बल्कि अपने क्षेत्र तथा राज्य के अलावा बाहरी राज्यों से भी अपराधियों को पकड़कर जेल भेजा है। रंगिया को नशामुक्त बनाने में उनकी एक सराहनीय भूमिका रही है, उन्होंने रंगिया के विभिन्न हिस्सों में नशीले प्रदार्थ-अफीम, गांजा, हेरोइन आदि के अलावा जुआ जैसी विभिन्न अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए जोरदार कदम उठाया। पिछले वर्ष उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय वन्यप्राणी तस्करों के चंगुल से भारी संख्या में दुर्लभ प्रजाति के वन्यप्राणियों को छुड़ाकर और इससे जुड़े तस्करों को जेल भेजकर भारी प्रशंसा हासिल की और इसके लिए उन्हें राज्य के पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) जीपी सिंह की ओर से पुरस्कृत किया गया। वहीं पिछले वर्ष राज्य के वन विभाग द्वारा आयोजित 68वें वन्यप्राणी सप्ताह-2022 के दौरान राज्य के वन व पर्यावरण मंत्री तथा कामरूप जिले के अभिभावक मंत्री चन्द्र मोहन पटवारी द्वारा उन्हें विशेष प्रशंसा पत्र से नवाजा गया।

वाइडेक्स इंडिया ने असम में प्रीमियर हियरिंग इक्सपीरियंस सेंटर खोला

गुवाहाटी। डब्ल्यूएस ऑडियोलॉजी ग्रुप के भीतर मौजूद प्रतिष्ठित ब्रांड और श्रवण-यंत्रों के नवाचार में अग्रणी गिने जाने वाले- वाइडेक्स ने, असम के गुवाहाटी में अपना पहला साउंड सेंटर खोल कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह माइलस्टोन, भारत के इस सांस्कृतिक रूप से विविधतापूर्ण लेकिन एकांत पूर्वोत्तर राज्य के अंदर, श्रवण-संबंधी देखभाल में क्रांतिकारी बदलाव लाने के लिए वाइडेक्स की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित करता है। डब्ल्यूएस ऑडियोलॉजी इंडिया के सीईओ श्री अविनाश पवार ने नए सेंटर का उद्घाटन होने के गहरे असर पर बल दिया- गुवाहाटी में अपने दरवाजे खोलना, हमारे नेटवर्क का विस्तार करने से कहीं बढ़कर है; यह दुनिया भर में, और खासकर भारत के गतिशील परिदृश्य में श्रवण-संबंधी स्वास्थ्य को सुधारने के प्रति हमारी गहरी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। गुवाहाटी जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहरों में, लाइफस्टाइल और पर्यावरणीय तत्वों के कारण सुनाई देने की समस्याएं बड़ी हैं। वाइडेक्स के नवीनतम साउंड सेंटर का खुलना, इस बढ़ती जरूरत को पूरा करता है। यह साउंड सेंटर बहरेपन से पीड़ित लोगों को श्रवण-संबंधी देखभाल के उन्नत समाधान प्रदान करता है। यह नई सुविधा सेवाओं की एक पूरी श्रृंखला पेश करेगी, जिसमें श्रवण-यंत्रों की अभिनव तकनीक, तदनुकूल ऑडियोलॉजिकल परामर्श और गुवाहाटी के जन-समुदाय की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई सतत सहायता शामिल है। असम साउंड सेंटर की चीफ ऑडियोलॉजिस्ट और निदेशक जर्मिका का कहना है, इस महत्वपूर्ण प्रयास में वाइडेक्स के साथ जुड़ना हमारे लिए सम्मान की बात है। हम दोनों, बहरेपन से पीड़ित लोगों की जिंदगी को बेहतर बनाने और असम के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र पर कारगर असर डालने की प्रतिबद्धता साझा करते हैं। असम साउंड सेंटर अनेक प्रकार की श्रवण सेवाएं उपलब्ध कराएगा। इसमें श्रवण-यंत्रों की अत्याधुनिक तकनीकें, व्यक्तिगत ऑडियोलॉजिकल परामर्श और गुवाहाटी के निवासियों की अनूठी जीवनशैली से जुड़ी जरूरतों के अनुरूप लगातार सहायता प्रदान करना शामिल है। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए जर्मिका कहती हैं- इस अर्थपूर्ण उद्यम के लिए वाइडेक्स के साथ जुड़ना हमारे लिए गर्व का क्षण है। हम बहरेपन से पीड़ित लोगों को सशक्त बनाने और गुवाहाटी के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान देने के अपने रवैए में एकमत हैं। गुवाहाटी में खुला असम साउंड सेंटर, शिलांग में स्थित रेडी2हियर साउंड सेंटर की एक शाखा है, जो दिसंबर 2014 में शुरू की गई थी और 21 नवंबर 2021 को इसे साउंड सेंटर के दर्जे में अपग्रेड कर दिया गया था। यह सेंटर राज्य में बहरेपन से पीड़ित लोगों को, स्पीच थेरेपी और अन्य ऑडियोलॉजी सुविधाओं के साथ-साथ, बेहद पेशेवर सलाह और श्रवण सेवाएं देने में माहिर है। आत्मीयता के साथ व्यापक श्रवण देखभाल सेवाएं प्रदान करने वाले मिशन के जरिए, असम साउंड सेंटर यह सुनिश्चित करने को प्रतिबद्ध है कि बहरेपन से पीड़ित हर व्यक्ति, सभी की तरह सुनने की खुशी महसूस कर सके। पिछली शाखा को मिली सफलता की बुनियाद पर असम साउंड सेंटर, गुवाहाटी के रोगियों को उसी स्तर की विशेषज्ञता, व्यक्तिगत सेवा और उन्नत तकनीक प्रदान करने के लिए तैयार है। विश्व स्तर पर, बहरेपन को कम करके आंका जाता है, जबकि यह बीमारी भयंकर रूप से 1.6 बिलियन लोगों पर असर डाल रही है। इनमें से लगभग 430 मिलियन लोग किसी न किसी प्रकार की श्रवण हानि से पीड्ति हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि ये आंकड़े 2050 तक 2.5 बिलियन तक बढ़ जाएंगे, जिसमें से 700 मिलियन लोगों को कम सुनाई देने से जुड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। चिंताजनक बात यह है कि सुनने में मददगार साधनों की मौजूदगी के बावजूद, पीड़ित लोगों में से केवल 20 प्रतिशत को ही बेहद जरूरी श्रवण यंत्र उपलब्ध हो पाते हैं। श्रवण-संबंधी देखभाल का यह खालीपन सामाजिक दुष्प्रभाव के रूप में प्रकट होता है, जो अलगाव की भावनाओं, मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों, संज्ञानात्मक विफलताओं और कैरियर के बाधित अवसरों की शक्ल में बढ़ता जाता है।

खेजड़ी वाले बालाजी की भजन संध्या और होली धमाल कार्यक्रम संपन्न

गुवाहाटी (विभास)। राजस्थान के चुरू जिले मे सुजानगढ़- सीकर रोड स्थित मींगणा गांव में स्थित खेजड़ी वाले बालाजी की गुवाहाटी सेवा समिति के सौजन्य से माछखुवा स्थित आईटीए सेंटर में बालाजी की भजन संध्या के पश्चात होली धमाल का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ दीप प्रज्वलित और आरती के साथ हुआ। समिति के अध्यक्ष रामेश्वर गहलोत ने पूजा अर्चना की एवं कार्यक्रम के सभी प्रायोजकों को दुपट्टा व बालाजी की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण छोटे-छोटे बच्चों द्वारा आठ मिनट में संपूर्ण रामायण की जीवंत झांकी नृत्य के द्वारा प्रस्तुत करना था। इसके अलावा सुजानगढ़, डेगाना, जोधपुर आदि से आए गायक कलाकारों द्वारा चंग धमाल पर लोकगीत प्रस्तुत किए गए एवं नृत्य प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन अरुण अग्रवाल ने किया।

श्री श्याम सत्संग मंडल वार्षिकोत्सव में पहुंचे राज्यपाल

गुवाहाटी। श्री श्याम सत्संग मंडल, गुवाहाटी के तत्वावधान में बुधवार से खाटू नरेश श्री श्याम प्रभु का दो दिवसीय 55वां वार्षिक महोत्सव विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से शुरू हुआ। फैंसी बाजार के एमएस रोड स्थित साधना मंदिर प्रांगण में मंडल की ओर से आयोजित गौरवशाली 55वे वार्षिक महोत्सव में बाबा का भव्य राज दरबार बैठाया गया है, जिसमें शीश के दानी श्याम प्रभु का अलौकिक सिंगार किया गया। फूलों से सजा बाबा का सिंहासन श्रद्धालुओं के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। महोत्सव के पहले दिन आज शाम को राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया सपत्नीक पहुंचकर बाबा की महाआरती की। दरबार में राज्यपाल ने पूजा अर्चना की एवं श्याम प्रभु के भजनों का आनंद भी लिया इस दौरान समिति की ओर से राज्यपाल का अभिनंदन भी किया गया। इससे पूर्व आज प्रात: अखंड ज्योत प्रज्वलित कर बाबा की महाआरती की गई, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों की उपस्थिति देखी गई। तत्पश्चात श्री श्याम सत्संग मंडल सहित विभिन्न जानी मानी भजन मंडलियों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस मौके पर महानगर की अग्रणी भजन मंडलियों द्वारा 24 घंटे का अष्ट प्रहर संकीर्तन किया गया। इनमें श्री श्याम सत्संग मंडल श्री महावीर भक्त मंडल श्री हनुमत आराधिका समिति आदि शामिल हैं। वहीं शाम को देश के जाने माने आमंत्रित गायक कलाकार विनोद सिंह, सुश्री सोनी अरोड़ा, आकाश पोद्दार के अलावा स्थानीय गायक श्रीमती संतोष शर्मा, जरनैल सिंह सोहेल उर्फ टिपू, जगदीश महतो व गणेश कनोई सहित कई गायक कलाकारों द्वारा अपने अपने भजनों के पुष्प बाबा के दरबार में अर्पित किए। विशेष आकर्षण के रूप में कोलकाता से मंदिरा एंड ग्रुप के कलाकारों द्वारा जीवंत झांकियों के माध्यम से नृत्य नाटिका की मनभावन प्रस्तुति दी गई। इस दौरान उपस्थित श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे एवं रात भर भक्तों ने श्याम प्रभु के भजनों का आनंद लेते रहे। इधर महोत्सव के दूसरे दिन 21 मार्च को हवन, पूर्णाहुति के पश्चात दोपहर 12.30 बजे बाबा की महाआरती कर छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया जाएगा एवं श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई है। वहीं शाम को 5 बजे से विराट शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो महानगर के विभिन्न मार्गो से निकलेगी। इस दौरान महिलाओं द्वारा निशान यात्रा तथा विभिन्न देवी-देवताओं की झांकी, बैंड-बाजा इत्यादि आकर्षण का केंद्र होंगी आयोजकों ने सभी धर्म परायण लोगों से दो दिवसीय महोत्सव में शामिल होकर इसे सफल बनाने की आह्वान किया है।

अग्रवाल सभा का होली मिलन समारोह आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। अग्रवाल सभा द्वारा सूरजमल जुहरमल सांगानेरिया धर्मशाला गुवाहाटी में *होली मिलन समारोह* का आयोजन किया। सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन एवम माता लक्ष्मी के चित्र के सामने समाजसेवी प्रदीप भडेच, ओंकार केडिया एवम अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने दीप प्रज्ज्वलित किया। कार्यक्रम की शुरुआत समाज की बच्चियों द्वारा गणेश वंदना से हुई तथा इसके बाद समाज की महिलाओं द्वारा राजस्थानी नृत्य का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसकी कोरियोग्राफी सुश्री स्वर्ण केजरीवाल ने एवम संयोजन कंचन केजरीवाल ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वरुप असमिया के विशिष्ठ कवि निलिम कुमार उपस्थित थे। इनका राजस्थानी दुपट्टे से एवम पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। सभा के अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने सभा के अन्य कार्यक्रमों की जानकारी देने के साथ ही सभा द्वारा संचालित *शिक्षा कोष* के बारे में बताया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवम समाज के विशिष्ठ व्यक्तियो द्वारा अग्रवाल सभा की वेबसाइट एवम मुखपत्र अग्र संदेश का भी विमोचन किया गया। सभा द्वारा प्रकाशित डायरेक्ट्री अग्र सेतु का वितरण किया गया। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज, जैन समाज, तेरापंथ समाज एवम ब्राह्मण समाज के अलावा अग्रवाल युवा परिषद, मारवाड़ी युवा मंच एवम मारवाड़ी सम्मेलन के भी कई पदाधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा कार्यक्रम में राकेश अग्रवाल, अनिल जालान, मयूर मोर, रंजीता अग्रवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में राजस्थानी कलाकारों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमे समाज के सभी वर्ग के लोगो एवम महिलाओं ने जमकर आनंद उठाया। कार्यक्रम का सफल संचालन संदीप चमड़िया ने किया। इसके पहले अग्रवाल सभा की साधारण सभा का आयोजन किया गया। जिसमें अग्रवाल सभा के विभिन्न कार्यक्रमों के विषय में साधारण सदस्यो को अवगत कराते हुए भविष्य के कार्यक्रमो पर चर्चा की गई।

संपादकीय

पूर्वानुमान में एक बार फिर मोदी सरकार

तीसरी बार सरकार बनाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इतने आत्मविश्वास से क्यों भरे हुए हैं, उसका उत्तर है- उनकी सरकार के प्रति जनता का भरोसा। जनता के इसी भरोसे की झलक हाल में आए विभिन्न निर्वाचन संबंधी पूर्वानुमानों (ओपिनियन पोल) में दिखायी देती है। सभी संस्थाओं के सर्वेक्षण में एक बात स्पष्ट तौर पर निकलकर आ रही है कि 2024 में एक बार फिर मोदी सरकार बन रही है। भारतीय जनता पार्टी और उसके गठबंधन को स्पष्ट और बड़ा जनादेश मिलता हुआ दिखायी दे रहा है। देश के कई राज्यों में भाजपा एक बार फिर विपक्ष की सफाई करती नजर आ रही है। विशेषकर जहाँ उसका मुकाबला सीधे तौर पर कांग्रेस से है, उन राज्यों में कांग्रेस का खाता खुलना भी कठिन दिख रहा है। गुजरात, राजस्थान, हिमाचल, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भाजपा अपना पुराना प्रदर्शन दोहराने जा रही है। वहीं, ओडीशा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, आंध्रा, महाराष्ट्र और बिहार जैसे प्रदेशों में वह पहले से बेहतर प्रदर्शन करती दिखायी दे रही है। इस पूर्वानुमान को देखकर यह भी कहा जा सकता है कि भाजपा अब केवल उत्तर भारत की पार्टी नहीं रही है। यह ठीक बात है कि उसे भारत के दक्षिणी हिस्से के सभी राज्यों में बहुत सफलता नहीं मिल रही है लेकिन कुछ राज्यों में उसने अपनी स्थिति मजबूत कर ली है, जैसे कर्नाटक, आंध्र और तेलंगाना। जिस प्रकार के रुझान मिल रहे हैं, उनको देखकर भले ही तमिलनाडु से भाजपा को अपेक्षित परिणाम मिलता नहीं दिख रहा है लेकिन अंदरखाने तमिलनाडु को लेकर भाजपा में उम्मीद की एक लहर है। भाजपा दक्षिण के उन राज्यों में भी अपना खाता खोल सकती है, जिन राज्यों में अभी तक उसकी एक भी सीट नहीं आई है। मत प्रतिशत के मामले में तो यह कहा ही जा सकता है कि भारत के उत्तरी हिस्से से लेकर दक्षिणी हिस्से तक और पश्चिम से लेकर पूर्व तक भाजपा अपना प्रभाव जमाते हुए दिखायी दे रही है। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर भाजपा ने इस बार जीत का बड़ा लक्ष्य लिया है। पार्टी ने भाजपा के लिए 370 सीटें और अपने गठबंधन राजग के लिए 400 पार का कठिन लक्ष्य सामने रखा है। भारतीय राजनीति में एक दशक पूर्व जिस प्रकार की स्थितियां बन गई थीं, उसके आधार पर आकलन करेंगे तो यह लक्ष्य असंभव प्रतीत होता है। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी नाम के ब्रांड ने पिछले 10 वर्षों में भारत में नया राजनीतिक वातावरण बनाया है, जिसमें यह लक्ष्य असंभव नहीं है। जिस प्रकार से प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार की नीतियों के प्रति जनता का विश्वास है, उसे देखकर फिलहाल अनुमान लगाने और विश्लेषण करने का कार्य ही किया जा सकता है। वास्तविक परिणाम क्या रहेगा, यह तो आनेवाले समय में जनता अपने मताधिकार के प्रयोग से बता ही देगी। विभिन्न संस्थाओं के सर्वेक्षण से प्राप्त रुझानों से निश्चित ही भाजपा के कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार होगा और वे अधिक ऊर्जा के साथ प्रधानमंत्री मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रयत्न करेंगे। यह पूर्वानुमान कांग्रेस के लिए भी सबक हैं कि उसे अपनी नकारात्मक और अंध विरोध की राजनीति छोड़कर जनता के मन को समझना चाहिए और जनता के बीच के मुद्दों को उठाना चाहिए। वर्तमान समय में कांग्रेस जिन मुद्दों पर बात कर रही है, आम जनता का उनसे कोई सरोकार नहीं है।

भारतीय जनता पार्टी और उसके गठबंधन को स्पष्ट और बड़ा जनादेश मिलता हुआ दिखायी दे रहा है। देश के कई राज्यों में भाजपा एक बार फिर विपक्ष की सफाई करती नजर आ रही है। विशेषकर जहाँ उसका मुकाबला सीधे तौर पर कांग्रेस से है, उन राज्यों में कांग्रेस का खाता खुलना भी कठिन दिख रहा है। गुजरात, राजस्थान, हिमाचल, दिल्ली, उत्तराखंड, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भाजपा अपना पुराना प्रदर्शन दोहराने जा रही है। वहीं, ओडीशा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, आंध्रा, महाराष्ट्र और बिहार जैसे प्रदेशों में वह पहले से बेहतर प्रदर्शन करती दिखायी दे रही है। इस पूर्वानुमान को देखकर यह भी कहा जा सकता है कि भाजपा अब केवल उत्तर भारत की पार्टी नहीं रही है। यह ठीक बात है कि उसे भारत के दक्षिणी हिस्से के सभी राज्यों में बहुत सफलता नहीं मिल रही है लेकिन कुछ राज्यों में उसने अपनी स्थिति मजबूत कर ली है, जैसे कर्नाटक, आंध्र और तेलंगाना। जिस प्रकार के रुझान मिल रहे हैं, उनको देखकर भले ही तमिलनाडु से भाजपा को अपेक्षित परिणाम मिलता नहीं दिख रहा है लेकिन अंदरखाने तमिलनाडु को लेकर भाजपा में उम्मीद की एक लहर है। भाजपा दक्षिण के उन राज्यों में भी अपना खाता खोल सकती है, जिन राज्यों में अभी तक उसकी एक भी सीट नहीं आई है। मत प्रतिशत के मामले में तो यह कहा ही जा सकता है कि भारत के उत्तरी हिस्से से लेकर दक्षिणी हिस्से तक और पश्चिम से लेकर पूर्व तक भाजपा अपना प्रभाव जमाते हुए दिखायी दे रही है।

प्रदेश में मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा ओबीसी से आता है और जिसकी ओर उनका झुकाव होता है

उत्तर प्रदेश में भाजपा के जातीय समीकरण के सामने पस्त विपक्ष

आशीष वशिष्ठ

उत्तर प्रदेश में विजय का परचम लहराने के लिए जातियों की समझ ही सब कुछ है। यहां विकास के नाम पर वोट भी तभी मिलता है, जब जातियों को सही तरह से साधा जाए। बात चाहे ओबीसी की हो, मुस्लिम की हो या सवर्ण समाज को साधने की, सभी का उत्तर प्रदेश की सियासत में अहम योगदान रहता है। यहां के बारे में एक कहावत चर्चित है कि यहां वोटर नेता को वोट नहीं देते बल्कि जाति को देते हैं। जाहिर है कि सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीट वाले उत्तर प्रदेश पर हर पार्टी की नजर है।

एक पुरानी राजनीतिक कहावत है कि दिल्ली का रास्ता लखनऊ से होकर जाता है। कहते हैं यहां पर जिसने जितनी सीटें जीतीं, उसके लिए नई दिल्ली तक पहुंचने का रास्ता उतना ही आसान हुआ। उत्तर प्रदेश में विजय का परचम लहराने के लिए जातियों की समझ ही सब कुछ है। यहां विकास के नाम पर वोट भी तभी मिलता है, जब जातियों को सही तरह से साधा जाए। बात चाहे ओबीसी की हो, मुस्लिम की हो या सवर्ण समाज को साधने की, सभी का उत्तर प्रदेश की सियासत में अहम योगदान रहता है। यहां के बारे में एक कहावत चर्चित है कि यहां वोटर नेता को वोट नहीं देते बल्कि जाति को देते हैं। जाहिर है कि सबसे ज्यादा 80 लोकसभा सीट वाले उत्तर प्रदेश पर हर पार्टी की नजर है। यहां भारतीय जनता पार्टी से लेकर सपा, कांग्रेस और बसपा भी अपना जनाधार मजबूत करने में पूरी ताकत के साथ जुट गई है। जाति, धर्म और वर्ग के आधार पर अपने-अपने वोट बैंक को दुरुस्त करने के लिए खास रणनीति बनाई जा रही है। इस मद्देनजर जो एक कम्युनिटी प्रदेश की हर राजनीतिक पार्टी की नजर में है, वो ओबीसी समुदाय है। प्रदेश में मतदाताओं का एक बड़ा हिस्सा ओबीसी से आता है और जिसकी ओर उनका झुकाव होता है, वही पार्टी यहां सबसे मजबूत स्थिति में मानी जाती है। ऐसे में इन्हें लुभाने के लिए हर पार्टी अपने-अपने स्तर पर अपनी-अपनी रणनीति के अनुसार कोशिश कर रही है। उत्तर प्रदेश में ओबीसी वोट का प्रतिशत 52 फीसदी है। ये ओबीसी वोट, यादव और गैर यादव में बंटा हुआ है। यादव वोट 11 फीसदी है तो गैर यादव 43 फीसदी है। ओबीसी वोट में यादव जाति के बाद सबसे ज्यादा संख्या कुर्मी मतदाताओं की है। इसके बाद मौर्य और कुशवाहा और चौथे नंबर पर लोध जाति है। पिछड़ा वर्ग में पांचवीं सबसे बड़ी जाति के रूप में मल्लाह (निषाद) हैं। ओबीसी वोट बैंक में राजभर बिरादरी की आबादी दो फीसदी से कम है। राज्य में दलित वोट बैंक, जाटव और गैर जाटव में बंटा हुआ है। दलितों में जाटव जाति की संख्या कुल वोट का 54 फीसदी है। दलितों में 16 फीसदी पासी और 15 फीसदी वाल्मीकि जाति है। राज्य में सवर्ण मतदाता की आबादी 23 फीसदी है। इसमें सबसे ज्यादा 11 फीसदी ब्राह्मण, आठ फीसदी राजपूत और दो फीसदी

कायस्थ है। देश में उत्तर प्रदेश मुस्लिम जनसंख्या के हिसाब लिहाज से चौथा सबसे बड़ा राज्य है। यहां पर लगभग 20 प्रतिशत मुस्लिम रहते हैं। 2019 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-अपना दल गठबंधन को 50.76 फीसदी वोट मिले थे। भाजपा ने 62 और अपना दल ने दो सीट जीती थीं। सपा-बसपा और आरएलडी गठबंधन को 38.89 फीसदी वोट मिले थे। सपा ने पांच और बसपा ने 10 सीटें जीती थीं। 2019 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस के लिए सबसे शर्मनाक रहा। उसे 6.31 प्रतिशत वोट शेयर के साथ सिर्फ एक सीट पर जीत मिली। अगर साल 2014 के लोकसभा चुनाव की बात करें तो उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत के साथ 71 सीट मिलीं और पार्टी के खाते में 42.3 फीसदी वोट गए। इस चुनाव में बहुजन समाज पार्टी और आरएलडी का खाता भी नहीं खुला। बसपा को 19.6 फीसदी वोट मिले। सपा ने पांच ही लोकसभा सीट जीती। उसे कुल 22.2 फीसदी वोट मिले। कांग्रेस ने दो सीटें जीती और उसका वोट फीसदी 7.5 रहा। थिंक टैंक सीएसडीएस और लोकनीति के एक सर्वे के मुताबिक 2019 के चुनाव में 82 फीसदी ब्राह्मणों ने भाजपा और उसके सहयोगियों के लिए वोट किया। 89 फीसदी राजपूतों ने भाजपा को वोट दिया। वैश्यों का 70 फीसदी वोट भाजपा के खाते में गया। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में निर्णायक माने जाने वाले जाटों का 91 फीसदी वोट भाजपा को मिला। वर्ण व्यवस्था की अन्य जातियों में से 5 फीसदी ने कांग्रेस, 84 फीसदी ने भाजपा गठबंधन और 10 फीसदी ने सपा-बसपा गठबंधन को वोट किया। ओबीसी की दूसरी बड़ी जाति कोइरी-कुर्मी का 80 फीसदी वोट भाजपा, 14 फीसदी वोट सपा-बसपा, कांग्रेस को 5 फीसद और अन्य दलों को 1 फीसदी वोट मिला। यादव-कोइरी-कुर्मी के अलावा ओबीसी की अन्य जातियों में से 72 फीसदी ने भाजपा, 18 फीसदी ने सपा-बसपा, 5 फीसदी ने कांग्रेस और 5 फीसदी ने अन्य दलों को वोट किया। अनुसूचित जाति की बड़ी जातियों में से एक जाटव है। इस जाति का 75 फीसद वोट सपा-बसपा, 17 फीसद भाजपा, 1 फीसद कांग्रेस और अन्य दलों को 7 फीसद वोट मिल। एससी की अन्य जातियों के वोटों में से भाजपा गठबंधन को 48 फीसद, सपा-बसपा गठबंधन को 42 फीसद, कांग्रेस को 7 फीसद और 3 फीसद ने अन्य दलों को वोट किया। उत्तर प्रदेश के 73 फीसद मुसलमानों ने सपा-बसपा गठबंधन, 14 फीसद ने कांग्रेस, 8 फीसद ने भाजपा गठबंधन और पांच फीसद ने अन्य दलों को वोट किया। अन्य जातियों में से 50 फीसद ने भाजपा गठबंधन, 35 फीसद ने सपा-बसपा, 1 फीसद ने कांग्रेस और 14 फीसद ने अन्य दलों को वोट किया। वास्तव में, सामान्य, गैर यादव ओबीसी, अन्य अति पिछड़े, और गैर जाटव दलित पर भारतीय जनता पार्टी की अच्छी पकड़ है। भारतीय जनता पार्टी को साल 2014, 2019 के लोकसभा चुनाव में और साल 2017 तथा 2022 के विधानसभा में अच्छी-खासी संख्या में ओबीसी वोटर्स का साथ मिला। सपा की नीतियों से असंतुष्ट ओबीसी समुदाय ने भाजपा का दामन थामा। भाजपा अपने इस समर्थन को आने वाली लोकसभा चुनाव में बरकरार रखना चाहती है। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी वोटर्स में अपना जनाधार बढ़ाने के लिए तमाम तरह के जतन कर रही है। इसका मकसद गैर-यादव पिछड़ी जाति के लोगों को लामबंद करना है। इसके अलावा ओम प्रकाश राजभर को एनडीए में लाना भाजपा की ओबीसी नीति का ही नतीजा है। संजय निषाद और अनुप्रिया पटेल पहले से ही भाजपा के साथ हैं। आरएलडी के एनडीए का हिस्सा बनने से यह वोट बैंक और मजबूत होगा। ओबीसी को समाजवादी पार्टी का कोर वोटर माना जाता है। इनमें भी यादव वोटर्स सपा के समर्पित समर्थक हैं। सत्ता पर काबिज भाजपा ने अपनी योजनाओं और राजनीतिक रणनीति की मदद से सपा के इस वोट बैंक में सेंधमारी की है।

दृष्टि कोण

आखिर यह साफ कैसे होगा, क्या जागरूकता और मतदान प्रतिशत बढ़ाकर हो सकता है कुछ

पूरी दुनिया में, चाहे उन्नत अर्थव्यवस्थाएं हों या छोटे देश, राजनीतिक दल धन पाना चाहते हैं। उन्हें मतदाताओं तक पहुंचने, उन्हें अपनी नीतियों के बारे में बताने तथा लोगों का इनपुट पाने के लिए धन की जरूरत होती है। ऐसा करने के लिए विभिन्न देशों के राजनीतिक दल राजनीतिक फंडिंग का सहारा लेते हैं। राजनीतिक दलों को कई चैनलों के माध्यम से फंडिंग मिल सकती है-व्यक्तियों और कॉरपोरेट्स द्वारा स्वैच्छिक योगदान से, सदस्यता अभियान के जरिये या राज्य फंडिंग के माध्यम से। रास्ते बहुत हैं, जिनमें मीडिया कवरेज, राजनीतिक दलों के लिए स्थान और अन्य संसाधनों का उपयोग के रूप में योगदान भी शामिल हैं। हालांकि फंडिंग का एक रूप जो राजनीतिक दलों के खजाने में महत्वपूर्ण योगदान देता है, वह विभिन्न रूपों में कॉरपोरेट दान है। दुनिया भर में राजनीतिक दलों को मिलने वाले कॉरपोरेट दान को लेकर एक डर यह है कि ऐसे दानों से सरकारों के निर्णय लेने की प्रक्रिया न प्रभावित हो। चाहे अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा या कई अन्य उन्नत अर्थव्यवस्थाएं हों, कॉरपोरेट दान सामान्य बात है, ठीक उसी तरह, जैसे

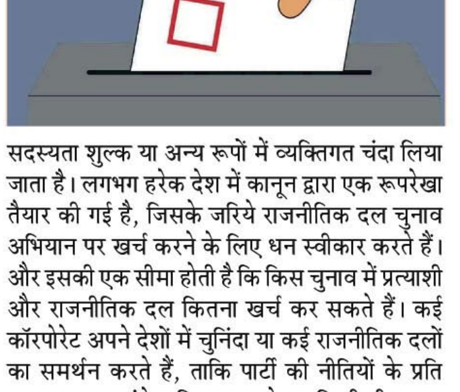

सदस्यता शुल्क या अन्य रूपों में व्यक्तिगत चंदा लिया जाता है। लगभग हरेक देश में कानून द्वारा एक रूपरेखा तैयार की गई है, जिसके जरिये राजनीतिक दल चुनाव अभियान पर खर्च करने के लिए धन स्वीकार करते हैं। और इसकी एक सीमा होती है कि किस चुनाव में प्रत्याशी और राजनीतिक दल कितना खर्च कर सकते हैं। कई कॉरपोरेट अपने देशों में चुनिंदा या कई राजनीतिक दलों का समर्थन करते हैं, ताकि पार्टी की नीतियों के प्रति एकजुटता का संकेत दिया जा सके या किसी भी चुनाव परिणाम के साथ अपने हितों की रक्षा की जा सके। लेकिन इसमें कॉरपोरेट की भूमिका संदिग्ध हो जाती है, क्योंकि अक्सर कॉरपोरेट दान कुछ शर्तों के साथ मिलता है। अक्सर फंडिग की स्थिति स्पष्ट नहीं होती, बल्कि इसमें निहित स्वार्थ छिपे होते हैं। उदाहरण के लिए, 14 अप्रैल, 2021 को जॉर्जिया में प्रतिबंधात्मक रिपब्लिकन प्रायोजित मतदान कानून के जवाब में गूगल के सीईओ ने 200 अन्य सीईओ के साथ मिलकर द न्यूयॉर्क टाइम्स और द वाशिंगटन पोस्ट में एक खुला पत्र प्रकाशित करवा कर ऐसे 'किसी भी भेदभावपूर्ण कानून' का विरोध किया, जिससे अमेरिकियों के लिए मतदान करना और मुश्किल हो जाएगा। लेकिन एक दिक्कत थी-गूगल ने चुपचाप रिपब्लिकन स्टेट लीडरशिप कमिटी, एक ऐसा संगठन, जो जॉर्जिया कानून और इसी तरह के अन्य राज्यों के कानून का समर्थन करता है, के साथ 'चुनावी अखंडता' पर एक 'नीति कार्य समूह' को वित्त पोषित किया था। ब्रिटेन में पूर्व प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन कॉरपोरेट फंडिंग के लिए आलोचनाओं के घेरे में आ गए, जिन्होंने दानदाता के पक्ष में नीतिगत समर्थन दिया था। वर्षों से, कई प्रमुख व्यवसायी राजनीतिक दलों के साथ लॉबिंग करते रहे हैं और जनादेश तथा नीति-निर्माण को प्रभावित करने के लिए फंड देते रहे हैं। हालांकि अब राजनीतिक दलों से दूरी बनाए रखने के लिए कॉरपोरेट्स ने चुनावी ट्रस्टों के जरिये फंडिंग का रास्ता ढूंढ लिया है। ये मूल रूप से कंपनियों द्वारा स्थापित ट्रस्ट हैं, जिनका उद्देश्य अन्य कंपनियों और व्यक्तियों से प्राप्त योगदान को राजनीतिक दलों में वितरित करना है। चूंकि ट्रस्टों द्वारा संग्रहीत धन को इकट्ठा किया जाता है, तो कोई आसानी से नहीं जान सकता कि किस कॉरपोरेट ने ट्रस्ट को धन दिया है और ट्रस्ट किसी राजनीतिक दल को कैसे वित्त पोषित करेगा। भारत में राजनीतिक फंडिंग और चुनाव कराने की लागत में उन दिनों की तुलना में बदलाव देखा गया है, जब चुनावी खर्च की कोई सीमा नहीं थी और न ही धन संग्रह के लिए कोई स्पष्ट तंत्र था। दान अधिकतर नकदी में होता था, जिसका मतलब था कि स्रोत का आसानी से पता नहीं लगाया जा सकता था और यह एक समानांतर काली अर्थव्यवस्था का भी समर्थन करता था। अन्य देशों की तरह हमने भी चुनावों पर खर्च करने के अपने तरीके बदल दिए हैं। राजनीतिक दलों को अपनी पारदर्शिता में सुधार करने के लिए कहा गया और बड़े नकदी दान को प्रतिबंधित कर दिया गया।

कुछ अलग

बीड़ी-सिगरेट छोड़ें और स्वस्थ रहें

धूम्रपान के आदी मित्रों और परिजनों को धूम्रपान छोड़ने के लिए मदद पाने को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष मार्च के दूसरे बुधवार को 'नो स्मोकिंग डे (धूम्रपान निषेध दिवस)' मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस 13 मार्च को मनाया जा रहा है। यह दिवस पहली बार 1984 में आयरलैंड गणराज्य में मनाया गया था। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है, जो इस साल 'तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बच्चों की सुरक्षा' विषय के साथ मनाया जा रहा है। दरअसल यह गहन चिंतन का विषय है कि पिछले कई दशकों में दुनियाभर में हुए अनेक अध्ययनों में यह प्रमाणित हो चुका है कि धूम्रपान हर दृष्टि से सेहत के लिए हानिकारक है लेकिन जब तमाम जानकारियों और तथ्यों के बावजूद हम अपने आसपास बच्चों को भी धूम्रपान करते देखते हैं तो स्थिति बेहद चिंताजनक प्रतीत होती है। ऐसे बच्चों के मन-मस्तिष्क में धूम्रपान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान होती हैं, जैसे धूम्रपान से उनके शरीर में चुस्ती-फुर्ती आती है, उनका मानसिक तनाव कम होता है, मन शांत रहता है, व्यक्तित्व आकर्षक बनता है, कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। चूंकि बच्चों का मन कोमल होता है, इसीलिए तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद वे यह समझने की स्थिति में नहीं होते कि धूम्रपान करने से उनके अंदर ऐसी कोई ताकत पैदा नहीं होने वाली कि देखते ही देखते वो किसी ऊंचे पर्वत पर छलांग लगा सकें या महाबली पवनपुत्र हनुमान की भांति विशाल समुद्र लांघ जाएं। वास्तविकता यही है कि धूम्रपान एक ऐसा धीमा जहर है, जो धीमे-धीमे इसका सेवन करने वाले व्यक्ति का दम घोंटता है और बच्चों पर तो इसका प्रभाव बहुत घातक होता है। धूम्रपान शरीर में कई प्रकार की प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है और ऐसे व्यक्ति को धीमी गति से मृत्युशैया तक पहुंचा देने का माध्यम बनता है। दुनियाभर में धूम्रपान के कारण हर साल 70 लाख से भी ज्यादा मौतें हो रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में होने वाली मौतों में से हर 5 में से 1 पुरुष की मौत धूम्रपान के कारण हो रही है। विभिन्न सर्वेक्षणों के अनुसार माना गया है कि विकसित देशों में चालीस फीसदी से ज्यादा पुरुष और इक्कीस फीसदी से ज्यादा स्त्रियां धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ आठ फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरुषों की संख्या पचास फीसदी से अधिक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार तम्बाकू के सेवन के कारण प्रतिदिन करीब आठ हजार व्यक्ति फेफड़ों के कैंसर के शिकार होकर मर जाते हैं। संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत ऐसे ही बढ़ती रही तो बहुत जल्द धूम्रपान के कारण पचास करोड़ लोग मारे जा चुके होंगे और अगले तीस वर्ष में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या दस लाख से बढ़कर सत्तर लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है कि प्रतिवर्ष विश्वभर में आठ हजार से ज्यादा नवजात शिशु धूम्रपान की वजह से असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। धूम्रपान वास्तव में एक ऐसा धीमा जहर है, जो हमारे शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक रोगों को जन्म देता है और व्यक्ति को धीमी गति से मृत्यु शैया पर पहुंचा देता है। धूम्रपान कितना खतरनाक है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि सिगरेट के खतरनाक धुएं से करीब 50 टन तांबा, 15 टन शीशा, 11 टन कैडमियम तथा कई अन्य खतरनाक रसायन वातावरण में घुलते हैं। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि कैंसर, हृदय रोग, सांस की बीमारी, डायबिटीज इत्यादि बीमारियों में भी धूम्रपान काफी खतरनाक हो सकता है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को धूम्रपान से बचना चाहिए।

देश दुनीया से

एल डोराडो खतरे में है, पुतिन की नजर से उभरी है आशंका

रूस व अमेरिका के लंबे शीतयुद्ध के दौरान स्वीडन तटस्थ रहा, मगर यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद यूरोप में खौफ पेसरा है। वर्ष 2022 की जनवरी की बात है, तब तक यूक्रेन पर रूस का कहर शुरू नहीं हुआ था। बाल्टिक सागर में रूस के छह जंगी जहाज गश्त करते नजर आए। लिथुआनिया और पोलैंड की सीमा पर कैलिनिनग्राद में रूस का नौसैनिक अड्डा है। ये जहाज यहीं से आए थे। स्वीडन की पुलिस को पता चला कि स्वीडन के नाभिकीय संयंत्रों के आसपास कई ड्रोन देखे गए हैं। चौबीस घंटे के भीतर ही स्वीडन ने गोटलैंड के द्वीप पर सैन्य तैनाती में जबर्दस्त बढ़ोतरी कर दी। गोटलैंड पर इस कदर सैन्य तैनाती शीतयुद्ध के दशकों में भी नहीं देखी गई थी। रूस और स्वीडन के रिश्तों का इतिहास ही लंबी शत्रुता का है।

स्वीडन मार्च के दूसरे सप्ताह में नाटो का 32वां सदस्य बन गया। प्रधानमंत्री उल्फ क्रीत्सेरसॉन ने वाशिंगटन में नाटो की सदस्यता हासिल की। इसके साथ स्वीडन ने करीब दो सौ साल पुरानी कूटनीतिक तटस्थता को खत्म कर दिया। रूस व अमेरिका के लंबे शीतयुद्ध के दौरान स्वीडन तटस्थ रहा, मगर यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद यूरोप में खौफ पेसरा है। वर्ष 2022 की जनवरी की बात है, तब तक यूक्रेन पर रूस का कहर शुरू नहीं हुआ था। बाल्टिक सागर में रूस के छह जंगी जहाज गश्त करते नजर आए। लिथुआनिया और पोलैंड की सीमा पर कैलिनिनग्राद में रूस का नौसैनिक अड्डा है। ये जहाज यहीं से आए थे। स्वीडन की पुलिस को पता चला कि स्वीडन के नाभिकीय संयंत्रों के आसपास कई ड्रोन देखे गए हैं। चौबीस घंटे के भीतर ही स्वीडन ने गोटलैंड के द्वीप पर सैन्य तैनाती में जबर्दस्त बढ़ोतरी कर दी। गोटलैंड पर इस कदर सैन्य तैनाती शीतयुद्ध के दशकों में भी नहीं देखी गई थी। रूस और स्वीडन के रिश्तों का इतिहास ही लंबी शत्रुता का है। 12वीं से 19वीं सदी तक रूस और स्वीडन के बीच करीब एक दर्जन युद्ध हुए हैं और कड़वाहट अब भी जारी है। यूक्रेन पर हमले के बाद स्वीडन गोटलैंड द्वीप पर रूस के हमले को लेकर बेहद सशंकित है। यही डर उसे शताब्दी पुरानी कूटनीतिक तटस्थता छोड़कर नाटो की शरण में ले आया है। गोटलैंड बाल्टिक सागर में इतिहास का सबसे जीवंत स्मारक है। बांधिए कुर्सी की पेटी, टाइम मशीन अब रूस होते हुए गोटलैंड की तरफ उड़ान भरने को तैयार है। टाइम मशीन 16वीं-17वीं सदी में उड़ान भर रही है। ठीक पहचाना आपने यह रूस के पहले जार आइवन द टेरबिल हैं, जो मध्ययुगीन मस्कोवी शासन को रूस के दक्षिण में फैला रहे हैं। आइवन द टेरबिल ने मध्य एशिया से लेकर काला सागर के तट तक तातारों-कजाकों के शासन वाले इलाके और अस्त्राखान के खानेत को अपनी ताकत का एहसास करा दिया है। मगर इतिहास तो अब बनना शुरू हुआ है। अपनी सीट के सामने लगी स्क्रीन पर देखिए। यह 1708 का साल है। रूस की जानलेवा ठंड के बीच स्वीडन के सम्राट चार्ल्स बारहवें की सेना यूक्रेन के दक्षिण की तरफ बढ़ रही है। स्वीडन के सम्राट चार्ल्स पहले भी रूस की सेना को धूल चटा चुके थे, लेकिन मास्को उनकी पहुंच से दूर रहा। सम्राट की सेना सर्दी से हार रही थी। फिर भी हमला जारी था। पीटर द ग्रेट ने चार्ल्स को रोकने के लिए पोल्टावा के किले से जवाब देना शुरू कर दिया। 1708 में जंग की शुरुआत हुई। पहली मुठभेड़ भारी पड़ी। रूसी सेना की गोलाबारी में स्वीडन के सम्राट चार्ल्स घायल हो गए। किसी तरह जान तो बच गई, अलबत्ता सम्राट युद्ध लड़ने की स्थिति में नहीं थे। इसलिए सेना की कमान फील्ड मार्शल कार्ल गुस्ताव रेंकिओल्ड और जनरल लुडविग ल्यूनहॉप्ट को दे दी गई। इस इलाके पर मंडराते हुए हमें दिखेगा कि एक माह तक अलग-अलग मोर्चों पर स्वीडन और रूस की सेना के बीच भयानक जंग हुई। मगर स्वीडन की सेना टिक नहीं पाई। 10,000 से ज्यादा सैनिक मारे गए या कैद कर लिए गए। स्वीडन के सम्राट चार्ल्स को दक्षिण में ओटोमन साम्राज्य के इलाके में शरण लेनी पड़ी।

पोल्टावा की हार के साथ स्वीडन के साम्राज्य विस्तार की उम्मीद हमेशा के लिए खत्म हो गई। पीटर द ग्रेट काला सागर से लेकर बाल्टिक तट तक राज करने लगे। टाइम मशीन अब बाल्टिक तट पर सेंट पीटर्सबर्ग के ऊपर उड़ान भर रही है। स्वीडन हार तो गया, लेकिन पीटर द ग्रेट बाल्टिक सागर से उस पार नहीं जा सके। वह रूस के साम्राज्य को यूरेशियन सीमा से निकाल कर बाल्टिक के दूसरी ओर ले जाना चाहते थे। इसी कोशिश में उन्होंने 1703 में बाल्टिक तट पर सेंट पीटर्सबर्ग शहर बसाया था। बाल्टिक सागर में स्वीडन की ताकत अकूत थी, जिस पर रूस का जोर नहीं चला। ... और अब हम आ गए हैं गोटलैंड पर। स्टॉकहोम के तट से पूर्व की ओर स्थित गोटलैंड पहुंचने में करीब पांच घंटे लगते हैं। यह हिसाब 21वीं सदी का है। एक संप्रभु राष्ट्र के तौर पर अपनी शुरुआत करने वाले छोटे से गोटलैंड पर साम्राज्यवादियों के असंख्य निशान दर्ज हैं। टाइम मशीन अब और पीछे 14वीं सदी से 16वीं सदी की तरफ जा रही है, जब इस द्वीप पर प्रत्येक शताब्दी में किसी न किसी साम्राज्यवादी शासक ने कब्जा किया। कभी जर्मन, तो कभी डैनिश, तो कभी रूसी कब्जे से गुजरते हुए गोटलैंड स्वीडन का हुआ।

आप का नजरीया

कहीं आप अपनी प्राणशक्ति तो बर्बाद नहीं कर रहे

आप रोज सुबह उठने के बाद महसूस करते होंगे कि आप एक नई ऊर्जा से भरे हुए हैं। खासकर तब जबकि आप 7-8 घंटे की गहरी हेल्दी नींद लेकर सुबह उठते हैं। आप अपने रोम-रोम में एक ताजगी महसूस करते हैं। सुबह उठने के बाद हम अगर पूरी चेतना, जागृति और बोध के साथ सांस भरें, तो उस सांस के साथ हम शरीर में एक ऊर्जा के प्रवाह को भी महसूस कर सकते हैं। बहरहाल, यह जो रात की गहरी नींद पिछले दिन की पूरी थकान सोखकर आपको ताजगी से भर देती है और आप पूरे दिन का मुकाबला करने के लिए खुद को तैयार पाते हो, यह आपके भीतर बह रही प्राण ऊर्जा का कमाल होता है। प्राण ऊर्जा हमें तीन स्रोतों से मिलती है। सूर्य से, आकाश यानी हवा से और पृथ्वी यानी जमीन से। सूर्य अगर न हो तो पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं। सूर्य की किरणों में प्राण की ऊर्जा भरी हुई रहती है। इसलिए सुबह अगर आप जानबूझकर कुछ देर सूरज की किरणें शरीर पर पड़ने देंगे, तो आपके भीतर यह ऊर्जा थोड़ी अतिरिक्त रहेगी। आप सांस जब लेते हो तो हवा को ही भीतर खींचते हो। हवा में ही प्राणवायु रहती है। ऑक्सीजन। आपको कुछ देर तक यह प्राणवायु न मिले तो आप जीवित नहीं रह पाते। प्राण ऊर्जा या इसे प्राण शक्ति भी कह सकते हैं, का तीसरा स्रोत आपका भोजन है जो जमीन से पैदा होता है। जमीन भोजन में प्राणशक्ति डालती है और भोजन को ग्रहण कर उस शक्ति को अपने भीतर लेते हैं। जब हम सुबह उठते हैं तो हमारे भीतर रात का खाना पूरी तरह पच चुका होता है, रात को नींद ने अपना कारनामा दिखा हमारे शरीर के भीतर सब टूटफूट रिपेयर कर ली होती है। हमारी प्राणशक्ति अपने सबसे ऊंचे स्तर पर होती है। यह जो प्राणशक्ति आपके भीतर रहती है, यही आपके सारे काम करती है। शारीरिक और मानसिक काम तो करती ही है, शरीर के भीतर बीमारियों से लड़ने और आपके शरीर को उनसे बचाए रखने जिम्मेदारी भी इसी की होती है। न सिर्फ इतना बल्कि यह आपके भीतर बहुत सूक्ष्म स्तर पर काम करते हुए आपके मन में आने वाले संकल्पों को भी तय करती है कि वे कैसे रहें। जब आपके संकल्प अच्छे रहते हैं, तो वही आपकी आभा बनकर आपके चेहरे पर भी दिखने लगते हैं। आपने देखा होगा जो बड़े योगी होते हैं, सिर्फ कहने के नहीं बल्कि असली योगी, जो तप व साधना वाला जीवन जीते हैं, उनके चेहरे पर आपको ऐसा तेजोमंडल दिखाई देता है। सवाल यह है कि आप इतनी कीमती प्राणशक्ति को कैसे दिन भर अपने भीतर बनाए रख सकते हैं। अमूमन होता यह है कि सुबह की प्राणशक्ति हमारी दिनचर्या, हमारे सोचने और काम करने के गलत तरीकों और उथली सांस लेने व गरिष्ठ भोजन करने की वजह से बहुत जल्दी कम हो जाती है। शरीर के भीतर जब प्राणशक्ति शिथिल हो जाती है, तब वह हमारी रोगों से रक्षा नहीं कर पाता। घातक रोग भी हमारे शरीर में अपनी जड़े जमाने लगते हैं।

प्रयागराज के रेस्तरॉ में रोबोट व्यंजन परोसेगा

प्रयागराज (हिंस)। संगमनगरी में पहली बार रेस्तरॉ में अब खाने-पीने का सामान सर्व करने के लिए रोबोट का इस्तेमाल शुरू हुआ है। प्रत्येक व्यंजन को दो रोबोट रूबी और दिवा द्वारा सुरुचिपूर्ण ढंग से परोसा जाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संचालित ये रोबोटिक सर्वर प्रत्येक टेबल से डेटा को अपने संचालन में सहजता से एकीकृत करते हैं। मार्केटिंग हेड रोहित दत्ता ने बताया कि प्रतिष्ठान जन्मदिन, वर्षगांठ, कॉर्पोरेट समारोहों और किटी पार्टियों जैसे विशेष अवसरों को पूरा करने के लिए पूरी तरह से सुसज्जित है। उन्होंने बताया कि रोबोट रेस्तरां येलो हाउस ने संगमनगरी में अपने दरवाजे खोले हैं। यूपी में पहला लखनऊ में है और दूसरा प्रयागराज में खुला है। फ्रेंचाइजी मालिक पुष्पेंद्र सिंह इसका नेतृत्व कर रहे हैं। रोबोट रूबी और दिवा सावधानीपूर्वक प्रत्येक व्यंजन को ग्राहकों की मेज पर पहुंचाते हैं।

आसाराम को हाईकोर्ट से झटका महाराष्ट्र में इलाज की इजाजत नहीं

जोधपुर (हिंस)। अपने ही आश्रम की नाबालिग छात्रा से यौन उत्पीड़न के आरोप में जोधपुर की सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को राजस्थान हाई कोर्ट से एक और झटका लगा है। उसने महाराष्ट्र के पुणे में आयुर्वेदिक पद्धति से इलाज कराने की अनुमति के लिए याचिका दायर की थी, जिसे राजस्थान हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इस संबंध में महाराष्ट्र पुलिस ने सुरक्षा का हवाला देकर आसाराम को इलाज के लिए मंजूरी नहीं देने की बात कही थी। इस पर हाई कोर्ट ने कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका जताई और यह भी कहा है कि पुणे से अच्छा इलाज आसाराम को जोधपुर के ही एम्स में मिल सकता है। दरअसल, आसाराम हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक उपचार के लिए कई याचिका लगा चुके हैं लेकिन अभी तक उन्हें कहीं से भी अंतरिम राहत नहीं मिल पाई है। जस्टिस दिनेश मेहता व जस्टिस विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ में आसाराम के उपचार के लिए दायर याचिका पर सुनवाई हुई। पिछली सुनवाई के दौरान आसाराम ने पुलिस कस्टडी में माधवबाग मल्टी डिसिप्लिनरी कार्डियाक केयर क्लीनिक खोपोली महाराष्ट्र में उपचार की प्रार्थना की थी। इस पर महाराष्ट्र पुलिस व जोधपुर पुलिस कमिश्नर से सुरक्षा को लेकर रिपोर्ट मांगी गई थी। महाराष्ट्र पुलिस कमिश्नर ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए महाराष्ट्र में उपचार की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। महाराष्ट्र पुलिस की रिपोर्ट को बुधवार को सुनवाई के दौरान अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल जोशी ने कोर्ट में पेश किया। इस पर कोर्ट ने रिपोर्ट को देखते हुए आसाराम के महाराष्ट्र में उपचार करवाने की प्रार्थना को खारिज कर दिया। इस दौरान आसाराम के अधिवक्ताओं की ओर से कहा गया कि आसाराम आयुर्वेदिक पद्धति से उपचार करवाना चाहते हैं। कोर्ट ने इस पर जोधपुर के आयुर्वेदिक अस्पताल करवड़ में उपचार कराने पर विचार करने के साथ ही वहा से तत्काल रिपोर्ट मंगवाई है। ऐसे में अब रिपोर्ट आने पर हाई कोर्ट में याचिका पर 22 मार्च को सुनवाई होगी लेकिन आसाराम की महाराष्ट्र जाने की उम्मीद पर फिलहाल पानी फिर गया है। महाराष्ट्र में आयुर्वेदिक उपचार की अनुमति नहीं मिलने के बाद संभावित है कि आसाराम अब जोधपुर में ही रहकर स्थानीय करवड़ में स्थित आयुर्वेदिक उपचार कराएंगे। हालांकि इसके लिए भी हाई कोर्ट से अनुमति लेनी ज़रूरी होगी। फिलहाल इस मामले पर सुनवाई जारी रहेगी। कोर्ट ने करवड़ स्थित आयुर्वेद हॉस्पिटल से आसाराम के उपचार के संबंध में जानकारी मांगी है।

बिहार की जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय

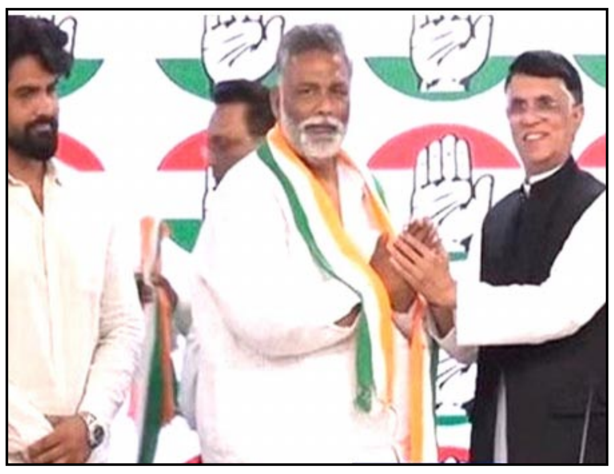

पटना (हिंस)। राज्य की जन अधिकार पार्टी (जाप) का कांग्रेस में विलय हो गया है। जाप सुप्रीमो पप्पू यादव दिल्ली में बेटे सार्थक रंजन के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। इसके साथ इसकी संभावना तेज हो गयी है कि अब पप्पू यादव कांग्रेस की टिकट पर पूर्णिया से चुनाव लड़ेंगे। बीते मंगलवार को पप्पू यादव ने राबड़ी देवी के घर पर लालू और तेजस्वी यादव से मुलाकात की थी, जिसके बाद से ही उनकी पार्टी के विलय की चर्चा तेज हो गई थी। कांग्रेस में जाप के विलय के बाद पप्पू यादव ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी को धन्यवाद देते हुए कांग्रेस के प्रति आभार जताया है। पप्पू यादव ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व के अलावा और कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा हुआ था। इसलिए हमने आज कांग्रेस का दामन थाम लिया। पप्पू यादव की पत्नी रंजीत रंजन कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य हैं और अब पप्पू यादव और उनके बेटे ने भी कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली है। ऐसे में अब पप्पू यादव को कांग्रेस बिहार में लोकसभा चुनाव का उम्मीदवार बना सकती है। पप्पू यादव लंबे समय से कोसी और सीमांचल क्षेत्र में सक्रिय हैं। वे महागठंबधन में रहकर पूर्णिया सीट से लोकसभा का चुनाव लड़ना चाहते हैं। हालांकि, अभी तक महागठबंधन में कैंडिडेट और सीट को लेकर कोई बात नहीं बन पाई है। इसी सिलसिले में वे लगातार लालू एवं तेजस्वी यादव के संपर्क में थे। ऐसे में इस बात की चर्चा तेज हो गयी है कि पप्पू यादव को कांग्रेस के टिकट पर पूर्णिया से लोकसभा का चुनाव लड़ाया जा सकता है।

होली सामाजिक समरसता का प्रतीक : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। बुधवार सुबह भदवासिया सब्जी मंडी के सी-ब्लॉक में आमलकी अमावस्या एकादशी और होली मिलन समारोह में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि होली सामाजिक समरसता का प्रतीक है, जिसमें अमीर, गरीब से लेकर हर कोई खुशियों के रंग में एक साथ सराबोर होता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह होली के रंग में हम सब एक रंग और एक भाव से सराबोर होते हैं, ठीक उसी ऊर्जा, ऊष्मा, एकरूपता, ध्येय और लक्ष्य के साथ बदलते परिदृश्य में राष्ट्रनिर्माण के लिए सराबोर होने की भी आवश्यकता है। शेखावत ने कहा कि अबकी बार की होली और भी विशिष्ट है, क्योंकि भगवान रामलला के अपने घर में पर्दापण के बाद में देश पहली बार होली के रंग में रंगा हुआ है और लोकतंत्र का सबसे बड़ा त्योहार भी हम सबके सामने है, जब हम सबको देश के भाग्य का फैसला करना है, इसलिए हम सबको होली के रंग और भाव की तरह लोकतंत्र के इस पर्व में भी भाग लेना है, जिससे बदलते परिदृश्य में राष्ट्र निर्माण में हम सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने *एक सुप्रभात ठाकुर जी के गैरियो संग* होली स्नेह मिलन समारोह में फूलों की होली भी खेली। उन्होंने सभी के साथ ठाकुर जी के भजन भी गाए और गैरियो संग फाग के गीतों पर नृत्य भी किया। शेखावत सुबह पब्लिक पार्क उम्मेद पहुंचे और शिव मंदिर में जलाभिषेक किया। माताजी मंदिर बालाजी मंदिर में दर्शन किए। मॉर्निंग वॉक पर आने वाले गणमान्य लोगों और पब्लिक पार्क मॉर्निंग वॉक क्लब के सदस्यों से मुलाकात की। पार्क में योगा के लिए आए गणमान्य जनों से मिले। शेखावत ने कहा कि परमहांस योग क्लास की ममता सोलंकी नियमित रूप से निःशुल्क योग सिखाती हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कैसे मोदी जी ने योग में भारत की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है। केंद्रीय मंत्री शेखावत सुबह जब उम्मेद उद्यान पहुंचे तो वहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखा चल रही थी। उन्होंने संघ की प्रातःकालीन प्रार्थना की और स्वयंसेवकों से मुलाकात की। यहां पर बड़े बुजुर्गों से आशीर्वाद भी लिया।

भाजपा विधायक प्रकाश भाई पटेल ने कांग्रेस का दामन थामा

दिल्ली/रांची (हिंस)। मांडू विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे जयप्रकाश भाई पटेल भाजपा छोड़ बुधवार को कांग्रेस का दामन थामा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी कार्यालय दिल्ली में मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा, झारखंड कांग्रेस कमेटी के प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर और झारखंड के संसदीय कार्य मंत्री और विधायक दल के नेता आलमगीर आलम के मौजूदगी में कांग्रेस पार्टी का दामन थामा। प्रदेश कांग्रेस कमिटी प्रवक्ता सोनाल शांति ने यह जानकारी दी।

अहिंसा का संदेश देने के लिए मैराथन 31 को

बाड़मेर। जीतो संस्थान की द्वारा भारत के साथ-साथ करीब 22 देशों के 108 स्थानों पर 31 मार्च को एक साथ आयोजित होने वाली मैराथन के पोस्टर का विमोचन बाड़मेर उपखंड अधिकारी समुन्द्रसिंह भाटी ने किया। बाड़मेर मैराथन संयोजक के दीक्षित जैन ने बताया कि 2023 में भी इसका आयोजन किया गया था। 2023 में एक लाख सौलह हजार लोगों ने एक साथ मैराथन में भाग लेकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में जीतो का नाम दर्ज कराया था। इस बार फिर अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ने के प्रयास इस बार एक साथ 108 स्थान पर मैराथन आयोजित की जा रही है। अब तक हुए पंजीयन के आधार पर करीब जेढ़ लाख से अधिक लोग इस मैराथन का हिस्सा बनेगे। इस अवसर पर उपखंड अधिकारी ने कहा कि अहिंसा ही सारी समस्याओं का समाधान है इस संदेश को लेकर आयोजित होने वाली ये दौड़ निःसंदेश लोग में परिर्वतन लाने के लिए उपयोगी साबित होगी। उन्होंने युवाओं की टीम को इस तरह के आयोजन के लिए धन्यवाद भी दिया। महावीर बोहरा ने बताया कि 31 मार्च को प्रातः 6 बजे स्थानीय महावीर चौक से प्रारम्भ होकर भगवान महावीर सर्किल पर समाप्त होगी। तीन किलोमीटर की दौड़ दो भागों में बांटी गई है। पहले भाग में पुरुष वर्ग का फ्लैग ऑफ होगा एवं दूसरे भाग में महिलाएं मैराथन वाक करेगी। बोहरा ने बताया कि पंजीयन ऑनलाइन किये जा रहे है। इस अवसर पर रजत जैन, सुरेश वडेरा, उर्मिला जैन, कंचन जैन, प्रियंका जैन उपस्थित रही।

प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस और बेटी मालती के साथ किए रामलला के दर्शन

अयोध्या (हिंस)। फिल्म अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने पति निक जोनस और बेटी मालती के साथ बुधवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन किये। इस अवसर पर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र और पुजारी ने रामनामी पहनाकर उनका स्वागत किया। प्रियंका, बेटी मालती और पति के साथ अयोध्या के महर्षि वाल्मीकि अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरीं। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। फैन्स में उनकी एक झलक पाने को बेकरारी भी दिखी और जय श्री राम के नारे भी लगाए। निक जोनस ने सफेद रंग का कुर्ता-पायजामा पहना हुआ था। प्रियंका पीले रंग की साड़ी में नजर आईं।

महागठबंधन के प्रत्याशियों की घोषणा न होने से समर्थकों में ऊहापोह की स्थिति

खूंटी (हिंस)। जनसंगठन की शीर्ष कमेटी की बैठक बुधवार को शहीद भवन, तपकरा में हुई। उपाध्यक्ष जोन जुरसन गुड़िया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में उपस्थित शीर्ष कमेटी के सदस्यों ने इस बात आश्चर्य व्यक्त किया कि लोकसभा चुनाव की तिथियों की घोषणा के इतने दिनों के बाद भी इंडी गठबंधन द्वारा अब तक एक भी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की गई है। संगठन के नेताओं ने कहा कि प्रत्याशी की घोषणा नहीं होने से कार्यकर्ताओं में ऊहापोह की स्थिति है। सदस्यों ने कहा कि महागठबंधन के इस रवैए से ऐसा प्रतीत होता है कि आदिवासी और मूलवासियों के सवालों से उन्हें कोई मतलब नहीं है। उनका एकमात्र उद्देश्य सिर्फ सत्ता प्राप्ति है। बैठक में सहमति बनी कि विस्थापन एवं पलायन सहित आदिवासी न्याय जन-संकल्प पर आधारित आदिवासी-मूलवासी हित के विषयों पर महागठबंधन या अन्य दलों के साथ गंभीर विमर्श के उपरांत ही साथ सहयोग पर निर्णय लिया जाएगा। बैठक में अलेस्टेयर बोदरा, मसीहदास गुड़िया, फिलिप गुड़िया, जीवन गुड़िया, ख्रिस्तोपाल कोनगाड़ी आदि शामिल थे।

सपा का बदायूं घटना को सांप्रदायिकता का रंग देना गलत : अनुपम मिश्रा

लखनऊ (हिंस)। बदायूं जनपद में हुई दो मासूमों की हत्या की घटना को राजनीति रंग देने की कोशिश कुछ सियासी लाभ लेने वाले राजनीतिज्ञों द्वारा किया जा रहा है। ऐसा किए जाने को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) के बयान पर राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय सचिव ने करारा हमला बोला है। उन्होंने सपा को बदायूं की घटना को साम्प्रदायिकता का रंग देने वाला बताया है। रालोद राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने बुधवार को कहा कि बदायूं की घटना को समाजवादी पार्टी सांप्रदायिकता का रंग देना चाहती है। उन्होंने सपा के बयान की निंदा करते हुए कहा कि प्रदेश जब अमन और चैन के रास्ते पर अग्रसर है उस समय एक जिम्मेदार दल के द्वारा इस तरह की टिप्पणी करना अपराधियों के हौसले बढ़ाएगा। जिनके घर पर मातम है, जिनके अबोध बच्चों की हत्या हुई है, उनके घर पर जाकर देखें कि क्या हाल है। इस समय में जब आपको परिवार के प्रति संवेदना देने चाहिए। अगर कोई बयान देना था कि प्रदेश में पुलिस ने एक ऐसा कार्य किया जिससे अपराधियों के हौसलें पस्त होंगे। उन्होंने कहा कि सपा का बयान अपराधियों के हौसलें बढ़ाना वाला था। इस घटना में भी सपा को हिन्दू-मुस्लिम दिखाई दे रहा है। अपराधी और पीड़ित घटना में नहीं दिखाई दिया। यही कारण है कि समाजवादी पार्टी दिन-प्रतिदिन अपने अवसान की ओर अग्रसर है। अगर यही चरित्र, यही चाल, यही चेहरा रहा तो ऐसा लगता है कि 2024 के बाद सपा का उत्तर प्रदेश के अंदर कोई भी झंडा उठाने वाला नहीं बचेगा।

एसआई भर्ती पेपर लीक मामला : कोर्ट ने14 ट्रेनी सब इंस्पेक्टरों में से 13 को जेल भेजा, एक को जमानत

जयपुर (हिंस)। एसओजी ने एसआई भर्ती परीक्षा- 2021 में पेपर लीक कर और डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले 14 ट्रेनी सब इंस्पेक्टर (एसआई) को बुधवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से 13 को जेल भेज दिया गया। वहीं इस मामले में कोर्ट ने एक ट्रेनी एसआई को जमानत दी है। नकल कर पास होने वाले थानेदारों में नरेश कुमार, सुरेंद्र कुमार, राजेश्वरी कुमारी, मनोहर लाल, गोपीराम जांगे, श्रवण कुमार, नारंगी कुमारी, प्रेम सुखी, चंचल बिश्नोई, करणपाल और राजेन्द्र यादव समेत अन्य लोग शामिल हैं। अब इस मामले में एसओजी अन्य संदिग्ध सब इंस्पेक्टरों पर कार्रवाई की तैयारी में है। इस मामले में करीब 200 सब इंस्पेक्टर एसओजी की राडार पर है जिनके नंबर सहित अन्य मामलों में गड़बड़ी की बात सामने आई है। मंगलवार को भी 14 ट्रेनी सब इंस्पेक्टरों कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से उन्हें एक दिन के रिमांड पर भेजा गया था। पेश करने से पहले एसओजी ने सभी सब इंस्पेक्टरों की परीक्षा भी ली थी। परीक्षा रिक्रिएशन के माध्यम से एसओजी ने पेपर लीक और डमी कैंडिडेट बैठाने की बात को सहीं साबित करने के लिए साक्ष्य जुटाए है जो कि आगामी समय में जरुरत पड़ने पर कोर्ट में पेश किए जा सकते है। तीन माह की बच्ची की तबीयत खराब, कोर्ट से चंचल को मिली जमानत पेपर लीक और डमी कैंडिडेट बैठाकर परीक्षा पास करने वाले ट्रेनी सब इंस्पेक्टरों में चंचल विश्नाई को कोर्ट ने बुधवार को जमानत दे दी है। परिवादी के वकील ने कोर्ट में एक याचिका दायर चंचल की तीन माह की बेटी के बीमार होने की जानकारी दी। एक दुहमुहीं बच्ची के स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर कोर्ट में दरियादिली दिखाते हुए आरोपी चंचल विश्नोई को जमानत दे दी। चंचल को जब एसओजी ने कोर्ट में पेश किया था तब उसकी बेटी भी उसके साथ की।

हरिश्चंद्र घाट पर खेली गई चिता भस्म की होली, निकली मसान नाथ की शोभायात्रा

वाराणसी (हिंस)। रंगभरी एकादशी पर बुधवार को महाश्मशान हरिश्चंद्र घाट पर चिता भस्म की होली खेली गई। आयोजक संस्था काशी मोक्षदायिनी सेवा समिति की ओर से चिता भस्म की होली के पूर्व रविन्द्रपुरी स्थित बाबा कीनाराम आश्रम से हरिश्चंदघाट तक शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल अधोरी साधु नरकंकाल पहनकर तांडव नृत्य मुद्रा में चल रहे थे। शोभायात्रा में शामिल आकर्षक झांकियों के साथ रंगमंच के कलाकार और औघड़, गाजा बाजा राहगीरों में आकर्षण बना रहा। शोभायात्रा हरिश्चंद्र घाट पर पहुंची तो उसमें शामिल युवा, औघड़ जलती चिताओं के पास पहुंचे। यहां घाट पर बाबा मोहन नाथ का आशीर्वाद लेकर कलाकार और युवाओं की टोली चिता की राख से होली खेलने लगी। इस दौरान खेले मसाने में होली दिगम्बर पर युवा थिरकते हुए एक दूसरे पर चिता भस्म और अबीर गुलाल उड़ाते रहे। चिता भस्म की होली देखने और इसमें भाग लेने के लिए घाट पर भारी भीड़ जुटी रही। मसाने की होली देखने के लिए लोग काफी पहले ही घाट पर पहुंच गए। बारिश और सर्द हवाओं के बावजूद लोग महाश्मशान घाट पर जमे रहे। ढोल, मजीरे और डमरुओं की थाप के बीच घाट पर हर-हर महादेव का उद्घोष भी गूंजता रहा। युवाओं की टोली में बीएचयू के छात्र भी शामिल हुए और चिता भस्म की होली में भागीदारी की। होरी खेले मसाने में... के बोल पर युवा जमकर थिरके। काशी में रंगभरी एकादशी के अगले दिन गुरुवार को मोक्षतीर्थ मणिकर्णिकाघाट पर भी चिता भस्म की होली खेली जाएगी। काशी में मान्यता है कि रंगभरी एकादशी के दिन बाबा विश्वनाथ अपनी नगरी के भक्तों व देवी देवताओं संग अबीर गुलाल संग होली खेलते हैं। इसके अगले दिन मणिकर्णिका घाट पर बाबा अपने गणों के साथ चिता भस्म की होली खेलते हैं।

राजस्थान के गौतस्करों से 75 गौवंश बरामद, पांच महिलाएं गिरफ्तार

औरैया (हिंस)। जनपद के सहार थाना पुलिस ने 75 गौवंशों के साथ पांच महिला तस्करों को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान दो पुरुष तस्कर भागने में सफल रहें, पुलिस उनकी तलाश कर रही है। वहीं बरामद गौवंशों को गौ आश्रय के सुपुर्द कर दिया गया है। सहार थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने बुधवार को बताया कि उप निरीक्षक योगेन्द्र सिंह, मुख्य आरक्षी नरेंद्र शर्मा, कांस्टेबज हरेन्द्र राजपूत, पुष्पेन्द्र कुमार व नितिन शर्मा के साथ मंगलवार की रात गश्त पर थे। तभी तस्करी के लाए गए गाय व सांड इकट्ठा होने किए जाने की सूचना मिली। सूचना के आधार पर सौथरा ग्राम के पास सुनसान इलाके में पुलिस टीम ने इकठ्ठा किए जा रहे गौवंशों के साथ वहां मौजूद लोगों को घेर लिया। इस दौरान दो पुरुष अंधेरे में भाग निकले जबकि मौके से पांच महिला तस्करों को दबोच लिया गया। आरक्षी सोनिया ने पकड़ी गई महिला तस्करों से पूछताछ की। थानाध्यक्ष ने बताया कि पूछताछ के आधार पर पकड़ी गई महिला तस्करों ने अपने नाम कमला पत्नी राम सिंह ग्राम कलम का कुंआ थाना लाडपुर रानपुर जिला कोटा राजस्थान, संता पत्नी शरमन, संता पत्नी महावीर, बसना बाई व कल्ली हैं। वहीं भागे हुये दोनों व्यक्तियों का नाम बिनालाल पुत्र दुर्गाल निवासी कलम का कुंआ थाना लाडपुर रानपुर जिला कोटा राजस्थान व दूसरा गौरूलाल बंजारा पुत्र रूपा सिंह बंजारों की बस्ती कोटा जिला भीलवाड़ा राजस्थान हैं। तस्कर कमला ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि हम लोग राजस्थान से अपनी कुछ गायों को चराने के बहाने यहां पर आते हैं और गांव में व गांव के खुले मैदानों व खेतों के आसपास घूम रहे आवारा गौवंशों को इकट्ठा कर बड़े शहरों के बूचड़खानों में ले जाकर बेच देते हैं। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए महिला तस्करों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। वहीं बरामद 75 गौवंशों को उच्चाधिकारियों के निर्देशन पर हृदेश कुमार पुत्र सोनेलाल वर्तमान तैनाती पशु चिकित्साधिकारी विकास खंड सहार की निगरानी में अस्थाई गौवंश स्थल ग्राम सौंथरा ग्राम पंचायत सौंथरा भेज दिया गया है।

विश्व गौरैया दिवस पर वितरित किए गए घोंसला

पूर्वी चंपारण (हिंस)। विश्व गौरैया दिवस पर डाक विभाग मोतिहारी के तत्वाधान में गौरैया सहित पर्यावरण अनुकूल अन्य पक्षियों के संरक्षण का संकल्प लिया गया। डाक अधीक्षक चंपारण प्रमंडल, डॉ. आशुतोष आदित्य एवं गौरैया संरक्षण के अभियान कर्त्ता केबीसी सीजन-5 के विजेता सुशील कुमार की उपस्थिति में डाक अधीक्षक कार्यालय, मोतिहारी में आयोजित विश्व गौरैया दिवस पर सुशील कुमार ने डाक अधीक्षक सहित अन्य डाक कर्मियो को घोंसला प्रदान किया गया। साथ ही सुशील कुमार ने आग्रह किया कि आप सभी इस मुहिम का महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर और अपने आसपास गौरैया संरक्षण के लिए लोगो को जागरूक करे। डाक अधीक्षक ने कहा कि गौरैया पर्यावरण का अनमोल हिस्सा है। जो आज विलुप्त होने के कगार पर है। ऐसे में सबको इसके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करना चाहिए।

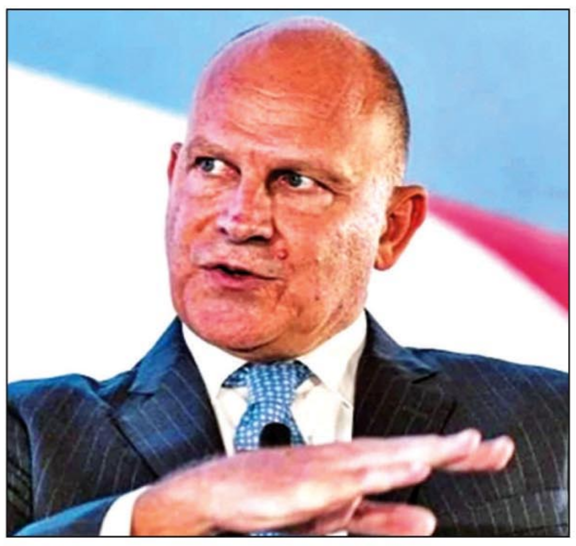

एयर इंडिया की कमजोरी से बची कई विमानन कंपनियां : विल्सन

नई दिल्ली ।
एयर इंडिया के मुख्य कार्य अधिकारी और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन का ने कहा कि भारत के आसपास की कई विमानन कंपनियां एयर इंडिया की कमजोरी के कारण बची हुई हैं लेकिन अब विमानन कंपनी के पास उनसे बाजार वापस प्राप्त करने और देश को लोगों के लिए यात्रा का केंद्र बनाने का अवसर है। विल्सन ने यह बात हाल ही में चार्टर्ड अकाउंटेंसी फर्म पीकेएफ श्रीधर एंड संतानम की 45वीं वर्षगांठ के समारोह में कहा कि एयर इंडिया के निजीकरण के समय एक देश के रूप में भारत के पास चौड़ी बॉडी वाले 43 विमान थे जबकि दुबई के पास 250, सिंगापुर के पास 150 और कतर के पास 175 विमान थे। यह एयर इंडिया के लिए छोटा स्तर है और उसके पास आगे बढ़ने का अवसर है। एमिरेट्स, कतर एयरवेज, एतिहाद एयरवेज और सिंगापुर एयरलाइंस जैसी विमानन कंपनियां इस क्षेत्र में अपने केंद्रों के जरिये भारत से अंतरराष्ट्रीय यातायात की भरपूर सेवा प्रदान करती हैं। बी787 और ए350 जैसे चौड़ी बॉडी वाले विमानों में ईंधन के बड़े टैंक होते हैं जो लंबी दूरी की उड़ान सुविधा देते हैं। प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के बाद जनवरी 2022 में एयर इंडिया को टाटा को बेच दिया गया था। जुलाई 2022 में एयर इंडिया की कमान संभालने वाले विल्सन ने विमानन कंपनी के लिए एमिरेट्स, कतर एयरवेज, सिंगापुर एयरलाइंस और ब्रिटिश एयरवेज जैसी सेवा, उत्पाद गुणवत्ता तथा आतिथ्य का स्तर हासिल करने की इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि भारत से जुड़ी कई विमानन कंपनियां भारतीय बाजार में अपना अस्तित्व बचाए रखने में कामयाब रहीं।

एचडीएफसी बैंक ने एचडीएफसी क्रेडिला में अपनी हिस्सेदारी बेची, 9552 करोड़ रुपये में हुआ सौदा

नई दिल्ली । एचडीएफसी बैंक ने बताया कि उसने अपनी शिक्षा वित्त इकाई एचडीएफसी क्रेडिला में अपनी हिस्सेदारी बेचने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। यह बिक्री निजी इक्विटी फर्मों बीपीईए ईक्यूटी और क्रिस कैपिटल को 9,552.73 करोड़ रुपये में की गई है। पिछले साल जून में घोषित यह सौदा आवास ऋणदाता हाउसिंग डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प के एचडीएफसी बैंक के साथ विलय के पूरा होने से पहले अनिवार्य नियामकीय आवश्यकताओं का हिस्सा था। यह सौदा एचडीएफसी बैंक की अगले महीने होने वाली चौथी तिमाही के नतीजों से पहले हुआ है। एचडीएफसी बैंक ने तीसरी तिमाही में उम्मीदों से अधिक लाभ दर्ज किया, लेकिन विश्लेषकों ने इसके कमजोर मार्जिन और लिक्विडिटी से जुड़ी चुनौतियों पर चिंता जाहिर की, जिससे इसके शेयर मूल्य में उल्लेखनीय गिरावट दिखी।

न्यूज ब्रीफ

जोमेटो ने ग्रीन यूनिफॉर्म का फैसला वापस लिया

नई दिल्ली । जोमेटो ने अपने प्योर वेज फ्लीट के डिलीवरी पर्सन के लिए रेड की जगह ग्रीन यूनिफॉर्म का फैसला वापस ले लिया है। घोषणा के एक दिन के भीतर ही जोमैटो ने इस फैसले को वापस ले लिया। दरअसर जोमैटो ने हाल ही में वेज खाना खाने वालों के लिए एक खास सेवा शुरु की थी। शाकाहारी खाने को तरजीह देने वाले ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए प्योर वेज मोड सर्विस का ऐलान किया था, जिसके तहत 100 फीसदी वेज खाना पसंद करने वालों के लिए प्योर वेज रेस्ट्रां से खाना डिलीवर किया जाएगा और वेज खाना डिलीवर करने के लिए जोमैटो में एक अलग से एक डिलीवरी पर्सन की शाखा बनेगी, जिसे प्योर वेज फ्लीट का नाम दिया गया। कंपनी के संस्थापक और सीईओ दीपिंदर गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी थी। वहीं वेज और नॉन वेज खाने के डिलिवरी पर्सन की अगल-अगल यूनिफॉर्म के इस फैसले के बाद से जोमैटो की काफी आलोचना हुई। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने कंपनी को खूब खरी-खोटी सुनाई। इसी आक्रोश के बीच कंपनी के सीईओ दीपिंदर गोयल ने इस फैसले को वापस लेने का ऐलान किया है। इस मामले में उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, हम शाकाहारियों के लिए एक फ्लीट जारी रखने जा रहे हैं, लेकिन ग्रीन यूनिफॉर्म को हटाने का फैसला किया है। गोयल ने आगे कहा कि जो ग्राहक प्योर वेज का विकल्प चुनते हैं, वे मोबाइल ऐप पर देख सकते हैं कि उनके ऑर्डर केवल शाकाहारी फ्लीट द्वारा ही डिलीवर किए जा रहे हैं। गोयल ने फैसले को वापस लेते हुए पोस्ट में कहा कि इन मुद्दों को उठाने के लिए सोशल मीडिया को धन्यवाद दिया।

चालू वित्त वर्ष में 450 अरब डॉलर पहुंच सकता है निर्यात, फियो का दावा-2030 तक एमएसएमई की होगी बड़ी भूमिका

FIEO
FEDERATION OF INDIAN EXPORT ORGANISATIONS

नई दिल्ली । लाल सागर जैसी चुनौतियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष तक वस्तुओं का निर्यात 450 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। निर्यातकों के संगठन फियो के मुताबिक, लाल सागर संकट से पैदा हुई चुनौतियों का समाधान समुद्री बीमा और माल ढुलाई शुल्क में तर्कसंगत वृद्धि करके किया जा सकता है। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के अनुसार निर्यात को बढ़ावा देने के लिए इस क्षेत्र को आसान और कम लागत वाले कर्ज की जरूरत है। ब्रिटेन और ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौतों के बाद निर्यात को मदद मिलेगी। फरवरी में निर्यात 12 प्रतिशत बढ़कर 41.40 अरब डॉलर रहा। अप्रैल-फरवरी के दौरान वस्तुओं का निर्यात 395 अरब डॉलर था। छोटी कंपनियों को सस्ते कर्ज की जरूरत फियो के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने कहा, मैं सूक्ष्म, छोटे एवं मझोले एमएसएमई के मुद्दों का समाधान करने पर ध्यान केंद्रित करूंगा।

रिलायंस पावर और उसकी पैतृक कंपनी बकायों का निपटान करने में जुटी

नई दिल्ली । अनिल अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस पावर ने पिछले सप्ताह तीन बैंकों आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक और डीबीएस बैंक पर बकाया कर्ज का निपटान किया। इसकी मूल कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर जेसी फ्लावर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी के 2,100 करोड़ रुपये के बकाये का निपटान करने की दिशा में काम कर रही है। मामले की जानकारी रखने वाले ने इसकी जानकारी री है। एक कमर्शियल बैंक के सीनियर एग्जीक्यूटिव के अनुसाररिलायंस पावर का लक्ष्य इस वित्त वर्ष के अंत तक कर्ज मुक्त कंपनी बनने का है। इसके बहीखाते में एकमात्र कर्ज आईडीबीआई बैंक से कार्यशील पूंजी ऋण होगा। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर और जेसी फ्लावर एआरसी ने पिछले सात जनवरी को ऋणों को यथास्थिति में रखने से संबंधित एक समझौता किया था। स्टॉक एक्सचेंज को दी गई जानकारी के अनुसार यह समझौता की अवधि के लिए मान्य था। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रवक्ता के अनुसार अब इसकी अवधि 31 मार्च 2024 तक बढ़ा दी गई है। इस समझौते के अनुसार जेसी फ्लावर एआरसी 31 मार्च तक रिलायंस के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं करेगी ।

भारत आठ प्रतिशत की वृद्धि दर को बरकरार रख सकता है, आरबीआई की बुलेटिन में दावा

नई दिल्ली ।
रिजर्व बैंक के मार्च बुलेटिन में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि भारत सालाना 8 प्रतिशत की वृद्धि दर पर बने रह सकता है। प्रकाशित बुलेटिन के लेख के अनुसार अनुकूल वृहद आर्थिक परिदृश्य देश की वृद्धि दर को तेज करने का प्रमुख कारण बन सकता है। 2021-24 की अवधि में, सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि औसतन 8 प्रतिशत से ऊपर रही है। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम द्वारा लिखे गए लेख में कहा गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था गति खो रही है। कुछ सबसे लचीली अर्थव्यवस्थाओं में विकास की गति धीमी हो रही है और उच्च आवृत्ति संकेतक आने वाले समय में और अधिक स्तर पर आने की ओर इशारा करते हैं। भारत में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर अवधि में छह तिमाही के उच्च स्तर पर थी। इसका कारण अर्थव्यवस्था की मजबूत गति, अप्रत्यक्ष करों में इजाफा और सब्सिडी में कमी था। रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया कई बड़े बदलावों का सामना कर रही है लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था सही दिशा में जा रही है।

2021-24 की अवधि में भारत की विकास दर औसतन 8 प्रतिशत से ऊपर

2021-24 की अवधि में भारत की विकास दर औसतन 8 प्रतिशत से ऊपर रही है। इकोनॉमी की बुनियादी बातों से संकेत मिलता है कि इसे आगे भी बनाए रखा जा सकता है। रिपोर्ट के अनुसार चालू खाता घाटा मामूली है, बाहरी बफर भी लचीले हैं। कंपनियां अपनी ऋण सेवा क्षमता में लगातार सुधार कर रहे हैं।

लेख के अनुसार, वित्तीय क्षेत्र में बैलेंस शीट मजबूत और स्वस्थ हैं। वित्तीय बाजार में भी सही संकेत मिल रहे हैं। भारत में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ने से पूंजी प्रवाह फिर से शुरू हो गया है। लेखकों ने आगे कहा कि तकनीक अधिक प्रतिस्पर्धी और कुशल बनकर विकास के नए अवसर प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दशकों में इन अनुकूल कारकों को अवसरों और शक्तियों में बदलने के लिए विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा, मजबूत विनिर्माण आधार, उच्च गुणवत्ता वाले श्रम बल और सेवाओं के मामले में नई पहल करने का समय आ गया है।

2037 तक विश्वस्तरीय सड़क नेटवर्क का निर्माण करने का लक्ष्य

लेख में आगे कहा गया है कि 2023-24 की तीसरी तिमाही में कुल मांग निवेश-संचालित थी, जिसमें निजी कैपेक्स में सुधार के संकेत मिल रहे थे। कई क्षेत्रों में क्षमता उपयोग एक ऐसे बिंदु पर पहुंच गया है जहां नए निवेश होने हैं। चालू वित्त वर्ष में संभवत: चार-लेन सड़कों की अब तक की सबसे अधिक लंबाई का निर्माण किया जाएगा। 2037 तक विश्व स्तरीय सड़क नेटवर्क का निर्माण किया जाना है। यह भी कहा गया है कि प्रीमियम उपभोक्ता व्यवसायों के लिए मांग का दृष्टिकोण मजबूत है। इससे पता चलता है कि प्रति व्यक्ति आय में महत्वपूर्ण बदलाव हो रहा है। छोटे शहरों के पैदा हो रहे अवसरों से लाइफस्टाइल सेगमेंट में व्यापार बढ़ रहा है। इन बाजारों में प्रवेश करने वाली कंपनियों को फर्स्ट मूवर्स होने का फायदा मिल रहा है।

टाटा स्टील भी नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर से जुटाएगा 2,700 करोड़

नई दिल्ली । टीसीएस के बाद स्टील सेक्टर की ग्लोबल दिग्गज कंपनी टाटा स्टील ने ऐलान किया कि वह नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर के जरिये 2,700 करोड़ रुपये जुटाएगी। एक्सचेंजों को कंपनी ने बताया कि कंपनी के बोर्ड ने रकम जुटाने की मंजूरी दे दी है। स्टील दिग्गज कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि कमेटी ऑफ डायरेक्टर्स ने हाल ही में हुई अपनी बैठक में नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर (एनडीसी) के जरिये रकम जुटाने को मंजूरी दे दी है। बता दें कि कमेटी ऑफ डायरेक्टर्स टाटा स्टील लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा गठित एक कमेटी है। टाटा स्टील की तरफ से जारी किए गए डिबेंचर्स की अलॉटमेंट 27 मार्च से शुरू हो जाएगी और इनकी मैच्योरिटी 3 साल की यानी 26 मार्च, 2027 तक होगी। कंपनी ने कहा कि 1 लाख रुपये की फेस वैल्यू पर वह 2,70,000 नॉन कनवर्टिबल डिबेंचर के जरिये 2,700 करोड़ रुपये जुटाएगी। कंपनी की तरफ से की गई फाइलिंग के मुताबिक निवेशकों को डिबेंचर पर कूपन हर साल मिलेगा जबकि, मूल धन का भुगतान तीन साल की मैच्योरिटी पूरी होने के बाद एकमुश्त किया जाएगा।

विदेशी निवेश पाने में भारतीय बाजार तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली ।
विदेशी निवेश पाने में भारतीय शेयर बाजार पिछले एक साल में तीसरे स्थान पर रहा है। इसी दौरान रिटर्न देने में यह प्रमुख बाजारों में दूसरे स्थान पर रहा है। बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट के अनुसार, मार्च, 2023 से इस साल 18 मार्च तक घरेलू बाजार में कुल 26 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया है। इस दौरान इसने 25 प्रतिशत रिटर्न दिया है।

भारतीय बाजार से ज्यादा रिटर्न तुर्किये, रूस और अर्जेंटीना ने दिया है। लेकिन, यहां पर विदेशी निवेश काफी कम है। तुर्किये के बाजार ने जहां 70 फीसदी का रिटर्न दिया, रूस ने 42 फीसदी और अर्जेंटीना ने चार गुना का रिटर्न दिया है। भारत की तेज विकास दर ने घरेलू शेयर बाजार को मजबूती दी है।

इसलिए, भारत में आ रहा निवेश

- विनिर्माण उत्पादन क्षमता में सुधार।
- वित्त, रियल एस्टेट व पेशेवर सेवाओं में तेजी।
- घरेलू संस्थागत निवेशकों, म्यूचुअल फंड निवेश में तेजी।
- अच्छी कॉरपोरेट आय, रुपये में मजबूती व महंगाई काबू में।

चीन से 67 अरब डॉलर की निकासी

आंकड़े बताते हैं कि पिछले एक साल में चीन के शेयर बाजार से 67 अरब डॉलर की रकम विदेशी निवेशकों ने निकाला है। इस दौरान इसके बाजार में पांच फीसदी की गिरावट आई है। यूके के बाजार से 21 अरब डॉलर निकला है। हालांकि बाजार ने पांच फीसदी रिटर्न दिया है। जर्मनी के बाजार से विदेशी निवेशकों ने 17 अरब डॉलर, दक्षिण अफ्रीका के बाजार से 9 अरब डॉलर और थाईलैंड के बाजार से पांच अरब डॉलर की निकासी हुई है। थाईलैंड के बाजार ने इसी अवधि में 11 फीसदी का घाटा दिया है। हालांकि, जर्मनी ने 21 फीसदी का रिटर्न दिया है।

सोना 65 हजार के पार, चांदी भी चमकी, सोना 65,600, चांदी लगभग 75,300 रुपए

नई दिल्ली ।
सोने और चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई है। देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोना 65,600 रुपये और चांदी 75,300 रुपये के करीब कारोबार कर रही है। वहीं वैश्विक बाजार में सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। चांदी के वायदा भाव सुस्त शुरुआत के बाद सुधर गए। सोने के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अप्रैल कॉन्ट्रेक्ट 16 रुपये की तेजी के साथ 65,599 रुपये के भाव पर खुलकर 45 रुपये की तेजी के साथ 65,628 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रैक्ट 39 रुपये की तेजी के साथ 75,326 रुपये के भाव पर खुलकर 23 रुपये की तेजी के साथ 75,310 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने के वायदा तेजी के साथ खुले, जबकि चांदी की शुरुआत सुस्त रही। हालांकि बाद में इसके भाव में सुधार देखने को मिला। कॉमेक्स पर सोना 2,161.39 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,159.70 डॉलर था। फिलहाल यह 2.40 डॉलर की तेजी के साथ 2,162.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 25.09 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 25.13 डॉलर था। हालांकि खबर लिखे जाने के समय यह 0.02 डॉलर की तेजी के साथ 25.15 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

मुंबई मेरा दूसरा घर, धारावी का पुनर्विकास मेरे लिए सौभाग्य का काम, प्रोजेक्ट पर बोले गौतम अदाणी

नई दिल्ली ।
अदाणी समूह के मुखिया गौतम अदाणी ने मुंबई के धारावी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। गौतम अदाणी ने कहा है कि मुंबई मेरा दूसरा घर है। मैं यह नहीं मानता कि मैं यहां बाहरी हूं। मुंबई में कोई बाहरी नहीं होता क्योंकि मुंबई सभी का खुले दिल से स्वागत करती है। मुझे गर्व और सौभाग्य का अनुभव होता है कि मुझे धारावी के पुनर्विकास का नेतृत्व करने का मौका मिला है।

धारावी को मुंबई का 'दिल' और 'छोटा इंडिया' भी कहा जाता है। ये बस्ती मुंबई की ऊंची-ऊंची इमारतों के बीच बसी हुई है। 1882 में अंग्रेजों ने धारावी को बसाया था। इसे बसाने का मकसद ये था कि मजदूरों को किफायती ठिकाना दिया जा सके। धीरे-धीरे यहां लोग बसने लगे और और झुग्गी-बस्तियां बन गईं।

महाराष्ट्र सरकार की ओर से अदाणी ग्रुप को धारावी रीडेवलपमेंट का ठेका मिला है। ग्रुप का वादा है कि वह यहां बसने वाले लोगों को ना सिर्फ बेहतर रहने की जगह देगा, बल्कि यहां की छोटी और लघु इकाइयों का संरक्षण और उन्हें आगे बढ़ाने का भी काम करेगा। मुंबई के धारावी को अदाणी ग्रुप एक 'मॉर्डन सिटी सेंटर' में बदलने का इरादा रखता है।

धारावी एशिया की सबसे बड़ी और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी बस्ती है जहां 2.5 वर्ग किलोमीटर में 10 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। धारावी में 58 हजार परिवार और करीब 12 हजार कमर्शियल कॉम्प्लेक्स हैं।

हैवेल्स लॉयड के डिजाइनर उत्पादों की रेंज लेकर आई, कहा- घरेलू बाजार के साथ ग्लोबल मार्केट पर भी नजर

नई दिल्ली ।
हैवेल्स कंपनी लॉयड ब्रांड के तहत अपने उत्पादों की निर्यात क्षमता बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। कंपनी ने एसी, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन और टेलीविजन की नई रेंज पेश करते हुए इसकी जानकारी दी।

मीडिया से बातचीत के दौरान हैवेल्स इंडिया के कार्यकारी निदेशक योगेश कुमार गुप्ता ने कहा कि कंपनी ने आंध्र प्रदेश के श्री सिटी में अपनी नई विनिर्माण इकाई के पहले चरण में अब तक लगभग 400 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिसके बाद इसकी क्षमता 20 लाख यूनिट्स से अधिक हो गई है। उन्होंने कहा, हमारे पास अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए बड़ी योजनाएं हैं।

हमने श्री सिटी में अपना दूसरा संयंत्र लगाया है, जो चेन्नई बंदरगाह के बहुत निकट है। हम पहले से ही मध्य पूर्व, सार्क देशों और अफ्रीकी देशों को निर्यात कर रहे हैं। हमने अमेरिका को निर्यात भी शुरू कर दिया है। नया प्लांट शुरू होने से ग्लोबल बाजार में मौजूदगी बढ़ाने में मिलेगी मदद उन्होंने कहा, पहले हमारे पास सिर्फ एक प्लांट था और उस प्लांट में सालाना 10 लाख एसी बनाने की क्षमता थी, इसलिए हम घरेलू बाजार पर अधिक फोकस कर रहे थे।

अब अतिरिक्त प्लांट शुरू हो जाने से हमें देश के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अपनी पैठ बढ़ाने में मदद मिलेगी।

डिजाइनर उत्पादों की नई रेंज लेकर आई कंपनी हैवेल्स ने लॉयड ब्रांड के तहत अपने पोर्टफोलियो में एसी मॉडलों की एक नई रेंज पेश की। लॉयड बाजार में पहली बार डिजाइनर स्टेलर और स्टाइलस एयर कंडीशनर रेंज लेकर आई है। कंपनी ने साथ ही में रैपिड कूल टेक्नोलॉजी से लैस रेफ्रिजरेटर भी पेश किया है। कंपनी का दावा है कि यह केवल 29 मिनट में पानी को बर्फ में बदल सकता है। जबकि अन्य ब्रांड्स के रेफ्रिजरेटर्स में बर्फ बनने में कम से कम घंटे का समय लगता है। इसके अलावे, लॉयड नोवान्टे फुली ऑटोमैटिक वाशिंग मशीन भी लेकर आई है।

अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक केंद्र बनेगा: आईएचसीएल सीईओ

अयोध्या । राम मंदिर के निर्माण के बाद से अयोध्या का कायाकल्प हो गया है। पर्यटकों की संख्या को देखते हुए शहर के इंफास्ट्रक्चर में तेजी से सुधार किया जा रहा है। इससे अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक केंद्र बनने की राह चल रहा है। इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अयोध्या दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक केंद्र बनने की राह पर है। राम मंदिर के निर्माण के बाद से शहर के इंफास्ट्रक्चर में सुधार हो रहा है। भारी संख्या में रामलला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का आगमन अयोध्या में हो रहा है। उन्होंने इस धारणा को खारिज कर दिया कि लॉकडाउन के हटने के बाद लोगों के मन में घूमने की ललक बढ़ी है। इस कारण से पयटर्न उद्योग में हालिया उछाल देखी गई। उन्होंने कहा कि लोग यात्रा कर रहे हैं क्योंकि उनके पास खर्च करने योग्य आय अधिक है, उनकी प्राथमिकताएं बदल गई हैं और एक फील-गुड फैक्टर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन किया। प्रीमियम ताज होटल और रिसॉर्ट्स का स्वामित्तव रखने वाली आईएचसीएल ने अयोध्या में सेलेक्शन्स, विवांता और जिंजर ब्रांडों में तीन होटलों पर हस्ताक्षर किए हैं।

पेरिस ओलंपिक के अंतिम क्वालीफिकेशन के लिए चुनी गई भारतीय टीम, श्रेयसी-मिराज शामिल

नई दिल्ली ।
पेरिस ओलंपिक को होने में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और सभी देशों के एथलीट इसके लिए तैयारियों में जुट गए हैं। भारत की नजरें भी ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन करने पर टिकी हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफिकेशन का दौर अंतिम चरण में पहुंच चुका है। इसी की तहत भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने 12 सदस्यीय शॉटगन टीम की घोषणा की है। पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट दोहा में 19 से 29 अप्रैल तक होगा। भारतीय टीम में राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता श्रेयसी सिंह और अनुभवी निशानेबाज मिराज अहमद खान तथा विश्व कप विजेता गनेमत शेखों को भी शामिल किया गया है।

दोहा में होने वाले अंतिम क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट में चार ओलंपिक कोटा दांव पर लगे हैं। इसमें पुरुष और महिला ट्रैप तथा स्कीट के लिए एक-एक कोटा होंगे। पहले ही ओलंपिक कोटा प्राप्त कर चुके निशानेबाजों को इस टूर्नामेंट से बाहर रखा गया है। पृथ्वीराज टोंडाईमान और विवान कपूर पुरुष ट्रैप टीम में शामिल हैं, जबकि महिला ट्रैप टीम में श्रेयसी और मनीषा केर को जगह मिली है। मिराज और शिराज शेख पुरुष स्कीट टीम में हैं। इनके अलावा गनेमत और महेश्वरी चौहान महिला स्कीट टीम में शामिल हैं।

तकनीकी ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया गया

ओलंपिक शॉटगन संभावितों के लिए नई दिल्ली में तकनीकी ट्रेनिंग कैंप आयोजित किया गया है। दोहा रवाना से पहले इस कैंप में ट्रैप और स्कीट टीम के निशानेबाज भी तैयारियों के लिए शामिल होंगे।

अबतक 19 कोटा हासिल कर चुका है भारत

भारत ने इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक के लिए अबतक 19 कोटा हासिल कर चुके हैं। शॉटगन टीम ने इसमें से सबसे ज्यादा चार ओलंपिक हासिल किए हैं। भारत ने टोक्यो ओलंपिक में कुल सात पदक जीते थे और इस बार उसकी कोशिश इस प्रदर्शन से आगे निकलने की होगी।

न्यूज ब्रीफ

धोनी के संन्यास के बाद इस कारण मेरा प्रदर्शन नीचे आया : कुलदीप

मुम्बई । हाल में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में शानदार गेंदबाजी करने वाले स्पिनर कुलदीप यादव ने कहा है कि पूर्व कप्तानी महेन्द्र सिंह धोनी के संन्यास के बाद कुछ समय तक मेरी गेंदबाजी प्रभावित हुई। कुलदीप ने कहा कि धोनी गेंदबाजों से बात करने के साथ ही उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए सलाह भी देते थे। ऐसे में विकेट लेना आसान होता था। वहीं उनके भारतीय टीम में नहीं होने से प्रदर्शन में गिरावट आना स्वाभाविक था। कुलदीप ने कहा कि धोनी के संन्यास लेने के बाद उन्हें स्वयं से ही विकेट लेने की रणनीति बनाने में कुछ समय लगा। इसलिए मैं चाहता था कि वह अधिक खेले क्योंकि जब हम गेंदबाजी कर रहे थे तो यह हमारे लिए बहुत आसान था। धोनी के संन्यास लेने के बाद गेंद से मेरा प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। ऐसा तब होता है जब कोई व्यक्ति आपका मार्गदर्शन करता है पर जब वह व्यक्ति आपके ऊपर नहीं होता तब अचानक सब कुछ आपके कंधों पर आ जाता है। ऐसे में आपको स्थिति पर प्रतिक्रिया करने में समय लगता है। इसी कारण बीच के समय में उनका प्रदर्शन नीचे आया था। इसके बाद धीरे-धीरे आप समझ जाते हैं और आत्मनिर्भर बन जाते हैं। कुलदीप ने कहा कि मैं और यजुवेन्द्र चहल जब गेंदबाजी करते थे तो धोनी हुत सारे टिप्स देते थे। जब मैं गेंदबाजी कर रहा होता था तो मुझे ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं पड़ती थी। मैं गेंदबाजी करता था और वह फील्डिंग जमा देते थे। इसमें कोई संदेह नहीं कि मैंने उनके साथ जो समय बिताया वह बहुत अच्छा था। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में कुलदीप को अच्छी बल्लेबाजी करते भी देखा गया। इस पर उन्होंने कहा कि मुझसे कहा गया था कि मेरे पास बल्लेबाजी का काफी कौशल है पर मुझ पर कोई दबाव नहीं डाला कि मुझे रन बनाने ही होंगे। अगर मैं अहम हालातों परिस्थितियों में टीम के लिए योगदान दे सकता हूं, खासकर टेस्ट क्रिकेट में तो इससे टीम को ही लाभ होगा ।

हसरंगा संन्यास से वापसी करते ही दो मैचों से निलंबित हुए

ढ़ाका । श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा संन्यास से वापसी के बाद भी अगले दो मैच नहीं खेल पायेंगे।

इसका कारण ये है कि उन्हें अंपायर ने खराब व्यवहार के लिए निलंबित कर दिया है। हसरंगा को श्रीलंकाई क्रिकेट बोर्ड ने टीम की गेंदबाजी बेहतर करने के लिए संन्यास से वापसी के बाद तत्काल टीम में शामिल किया था पर उनके निलंबित होने से उसे झटका लगा है। अंपायर ने इस क्रिकेटर को दो मैचों से निलंबित कर दिया है। श्रीलंका को मेजबान बांग्लादेश के हाथों एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हार का सामना करना पड़ा है। श्रीलंका ने इस हार के बाद टेस्ट टीम के लिए इस स्पिनर को शामिल किया। इस क्रिकेटर ने हाल ही में सीमित ओवरों के क्रिकेट पर ध्यान देने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। हसरंगा पर बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में अंपायर से बदतमीजी करने के आरोप में आधी मैच फीस काट ली गई और तीन नकारात्मक अंक दिया गया। इस तरह हसरंगा के एक साल के भीतर 8 नकारात्मक अंक हो गए। आईसीसी के नियम के मुताबिक अगर किसी खिलाड़ी के एक साल के भीतर 8 नकारात्मक अंक हो जाते हैं तो वह स्वयं ही 2 टेस्ट या 4 एकदिवसीय या 4 टी20 मैच के लिए निलंबित हो जाता है।

आईपीएल के बाद काउंटी क्रिकेट खेलेंगे उनादकट

होव । पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट अब फिर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट खेलते नजर आयेंगे। उनादकट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में भाग लेने के बाद ससेक्स काउंटी टीम की तरफ से अंतिम पांच मैचों की सीरीज खेलेंगे। उनादकट ने भारतीय टीम की ओर से चार टेस्ट मैच खेले हैं। इस गेंदबाज ने पिछले सत्र में ससेक्स की तरफ से काउंटी चैंपियनशिप के चार मैचों में 11 विकेट लिए थे। तब उनकी टीम डिवीजन दो में तीसरे स्थान पर रही थी। उनादकट ने भारतीय टीम की ओर से अपना अंतिम टेस्ट मैच पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला था। सौराष्ट ने 2019-20 में उनादकट की कप्तानी में ही रणजी खिताब जीता था। वहीं पिछले काउंटी सत्र में उनादकट ने लीस्टरशर के खिलाफ दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। उनका लक्ष्य इस बार भी उसी प्रदर्शन को दोहराना रहेगा। उनादकट ने अपने एक बयान में कहा, 'पिछले सत्र में होव में हमने लीस्टरशर के खिलाफ अंतिम दिन रोमांचक मुकाबले में जीत हासिल की थी। तब पहले सत्र में मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा था और मैं अब एक बार फिर से अपनी काउंटी टीम से जुड़ने को लेकर उत्साहित हूं।

इस वजह से हुई थी सबालेंका के बॉयफ्रेंड की मौत, पुलिस ने किया बड़ा खुलासा

मियामी ।
मियामी पुलिस ने कहा कि पूर्व एनएचएल आइस हॉकी खिलाड़ी और टेनिस स्टार अरीना सबालेंका के बॉयफ्रेंड कॉन्स्टेंटिन कोल्तसोव की मौत एक स्पष्ट आत्महत्या है। पुलिस प्रवक्ता आर्गेमिस कोलोम ने जानकारी देते हुए कहा कि स्थानीय समयानुसार देर रात 12 बजकर 39 मिनट पर सेंट रेजिस बाल हार्बर रिजॉर्ट में एक व्यक्ति के बालकनी से कूदने के मामले में पुलिस को जानकारी दी गई। मियामी पुलिस विभाग, होमिसाइड ब्यूरो तुरंत वहां पहुंचे और अब आत्महत्या के एंगल से की जा रही है। किसी तरह के षड्यंत्र की आशंका नहीं है।

दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन बेलारूस की सबालेंका इस सप्ताह के आखिर में मियामी ओपन में हिस्सा लेंगी। अभी इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाली और इस साल की शुरुआत में मेलबर्न ओपन का खिताब बरकरार रखने वाली 25 साल की यह खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में बनी रहेंगी या टूर्नामेंट से हट जाएंगी।

कोल्तसोव बेलारूस टीम के पूर्व आइस हॉकी खिलाड़ी हैं। उनका करीब 18 साल का करियर रहा था। वह नेशनल हॉकी लीग में पीट्सबर्ग पेंग्विन्स के लिए तीन सीजन खेल चुके हैं। वह 2002 से 2006 तक इस टीम का हिस्सा रहे थे। इसके साथ ही 2002 और 2010 में विंटर ओलंपिक में बेलारूस टीम का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। बेलारूस हॉकी महासंघ ने कहा कि कोल्तसोव के निधन की पुष्टि बेलारूस हॉकी महासंघ ने की थी। महासंघ ने अपनी वेबसाइट पर कहा- हम शोक में हैं।

बेलारूसी हॉकी महासंघ ने लिखा- संघ परिवार, दोस्तों और उन सभी के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है जो कोल्तसोव को जानते थे और उनके साथ काम करते थे। कोल्तसोव ने अपने खेल करियर में एनएचएल में पिट्सबर्ग पेंगुइन के साथ भी काम किया था, जहां उन्होंने 2003 और 2006 के बीच 144 मैच खेले थे। टीम ने एक बयान में कहा- पेंगुइन पूर्व

पेंगुइन फारवर्ड कोल्तसोव के परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

वह दो विंटर ओलंपिक खेलों के साथ-साथ ही नौ विश्व चैंपियनशिप में बेलारूस के लिए खेल चुके हैं। उनकी पहली पत्नी जूलिया के साथ उनके तीन बच्चे थे। अपनी पहली पत्नी को उन्होंने सबालेंका के साथ रिलेशनशिप शुरू करने से पहले 2020 में तलाक दे दिया था। 2016 में अपने प्रोफेशनल करियर को खत्म करने के बाद उन्होंने कई टीमों के लिए कोचिंग भी की।

हाल फिलहाल में वह कोन्टिनेंटल हॉकी लीग में सलावात यूलाएव उफा टीम के असिस्टेंट कोच भी रही थे। 2022 से 2024 तक उन्होंने इस पद को संभाला था।

हालांकि, अब तक यह पता नहीं चल सका है कि कोल्तसोव औपर सबालेंका के बीच रिलेशनशिप कैसे शुरू हुआ था, लेकिन दोनों 2021 से साथ हैं। दोनों ने जून 2021 में अपने रिलेशनशिप को पब्लिक कर दिया था। दोनों सोशल मीडिया पर एक दूसरे के साथ रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते रहते थे। कोल्तसोव सबालेंका से 17 साल बड़े थे।

कोल्तसोव की कोचिंग में खेल चुकी सलावात यूलाएव टीम ने एक स्टेटमेंट जारी किया था और उन्होंने अपने पूर्व कोच को श्रद्धांजलि दी थी। टीम का कहना था कि वह इस खबर से चौंक गए हैं। साथ ही इस मुश्किल घड़ी में उनके दोस्तों और परिवार वालों के साथ हैं।

टी20 विश्व कप के लिए संन्यास से वापसी कर सकते हैं इमाद वसीम

लाहौर ।
पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में शानदार प्रदर्शन कर रहे पाकिस्तान के क्रिकेटर इमाद वसीम जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्वकप को देखते हुए संन्यास से वापसी कर सकते हैं। ऐसे में इमाद को टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह मिल सकती है। इमाद ने पीएसएल में इस्लामाबाद यूनाइटेड को तीसरा पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इमाद से पीएसएल में बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए जमकर रन बनाने के साथ ही काफी विकेट भी लिए हैं। टी20 विश्व कप के दौरान पाकिस्तान की टीम को उनके जैसे ऑलराउंडरों की जरुरत है। इमाद ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से पहले ही संन्यास ले लिया था। पाकिस्तान के टेस्ट कप्तान शादाब खान भी चाहते हैं कि इमाद टी20 विश्व कप के लिए वापसी करें। उनका मानना है कि विश्वकप में टीमों को जिन हालातों का सामना करना पड़ेगा वे उनकी गेंदबाजी की शैली के अनुरूप ही होंगी। शादाब ने कहा, मैं चाहता हूं, वास्तव में जब इमाद ने संन्यास का फैसला किया था तो मैंने उनसे बात भी की थी कि मैं नहीं चाहता कि वह जाएं क्योंकि पाकिस्तान को उनके जैसे खिलाड़ियों की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि वह वापस आएगा क्योंकि विश्व कप नजदीक आ रहा है और जिस तरह से वह प्रदर्शन कर रहा है और कैरेबियन प्रीमियर लीग में उसका अनुभव है वह पाकिस्तान के काम आयेगा। इमाद ने टी20 विश्व कप के 2021 संस्करण में छह मैचों में चार विकेट लिए जिसमें दुबई में अफगानिस्तान के खिलाफ 2/25 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था पर ऑस्ट्रेलिया में टी20 टूर्नामेंट के लिए उन्हें शामिल नहीं किया गया था। तब चयनकर्ताओं ने मोहम्मद नवाज और शादाब को अवसर दिया था। पिछले साल अप्रैल में रावलपिंडी में न्यूजीलैंड के खिलाफ दो विकेट लेने के बाद से इमाद ने पाकिस्तान के लिए कोई टी20 मैच नहीं खेला है ।

तेंदुलकर, गावस्कर, और रिचर्ड्स से भी बेहतर बल्लेबाज हैं विराट : सिद्धू

मुम्बई ।
पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें महानतम बल्लेबाज बताया है। यहां तक कि सिद्धू ने विराट को सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर और सर विव रिचर्ड्स से भी बेहतर बल्लेबाज करार दिया। उनका कहना है कि विराट ने अपने को तीनों ही प्रारुपों के अनुसार ढ़ाला है। सिद्धू ने साथ ही कहा कि विराट दुनिया के महानतम खिलाड़ी हैं पर इसके बाद भी अगर वह एक बार भी अपनी टीम आरसीबी को आईपीएल में खिताब नहीं दिला पाये हैं। ये उनके लिए एक धब्बे की तरह है। है। आप इसे मिटाना चाहेंगे हालांकि यह उनके लिए किसी भी तरह से नुकसानदेह नहीं है, क्योंकि उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया है और आप इसे देख सकते हैं।

सिद्धू ने ये भी कहा कि मैंने उन्हें अब तक का सर्वश्रेष्ठ भारतीय बल्लेबाज पाया है। ऐसे भी युग थे जब मैं अपना ट्रांजिस्टर लगाता था और सुनील गावस्कर को वेस्टइंडीज के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए सुनता था, वह 70 का दशक है। वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज को सुनना कि वह कैसे बिना हेलमेट के बल्लेबाजी करते थे। वह उनका युग था। वह लगभग 15-20 वर्षों तक हावी रहे। फिर तेंदुलकर आए और एक और नये युग की शुरूआत हुई। फिर धोनी आए

और फिर विराट। यदि आप चारों को देखें , मैं उसे सर्वश्रेष्ठ मानूंगा क्योंकि उसने तीनों प्रारूपों के अनुरुप अपनरे को ढाला है।

सिद्धू ने कोहली की फिटनस की तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह तकनीकी क्षमता में श्रेष्ठ हैं साथ ही फिटनेस में भी। यदि आप चारों क्रिकेटरों को देखें, तो वह सबसे फिट हैं। तेंदुलकर को अपने करियर के बाद के चरणों में समस्याएं थीं। हालांकि धोनी अभी फिट हैं पर विराट सुपर फिट है। यह उसे एक स्तर तक ऊपर उठाता है

पूर्वोत्तर राज्यों सहित पूरे देश में गोल्फ को बढ़ावा देने के लिए आईजीयू को मिली 2 करोड़ रुपये की फंडिंग

नई दिल्ली ।
पूरे देश में गोल्फ को बढ़ावा देने, ग्रासरूट स्तर के कार्यक्रम में सुधार, भारतीय राष्ट्रीय गोल्फ अकादमी (एनजीएआई) को मजबूत करने और पूर्वोत्तर भारत में खेल के विकास सहित अन्य कार्यों के लिए खेल की राष्ट्रीय शासी निकाय, इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) को 2 करोड़ रुपये की फंडिंग मिली है। हालांकि, बृजिंदर सिंह की अगुवाई वाली गवर्निंग काउंसिल ने रॉयल एंड एंशिएंट (आर एंड ए), विश्व गोल्फ नियम निकाय और खेल मंत्रालय के साथ साझेदारी करके राष्ट्रीय खेल महासंघ के पास कमी वाले कोष को पुनर्जीवित किया। आईजीयू द्वारा आयोजित प्रमुख गोल्फ कार्यक्रम इंडियन ओपन में भी मुख्य प्रायोजक हीरो मोटोकॉर्प के सौजन्य से पुरस्कार राशि में भारी उछाल देखा गया। डीपी वर्ल्ड टूर इवेंट 28 से 31 मार्च तक गुरुग्राम के डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में 2.25 मिलियन डॉलर की भारी भरकम पुरस्कार राशि के साथ खेला जाएगा। आईजीयू के अध्यक्ष बृजिंदर सिंह ने एक बयान में कहा, सबसे बड़ी चुनौती फंड थी। किसी भी पहल को करने में सक्षम होने के लिए हमें धन की आवश्यकता थी। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि पिछले एक साल में, हम एक बड़ा कोष बनाने में मदद करने के लिए विभिन्न प्रायोजकों और सरकारी निकायों का भी उपयोग करने में सक्षम हुए हैं। अब हम भारत में गोल्फ के खेल को बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों की योजना बना सकते हैं। हम आर एंड ए के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और विकास योजना बनाने के लिए उनके संसाधनों का उपयोग कर रहे हैं। पिछले एक साल में, आईजीयू ने राष्ट्रीय स्क्वाड प्रणाली को फिर से शुरू किया, एनजीएआई को

मजबूत करने के लिए यूरोपीय कोचों के निकाय के साथ सहयोग करना शुरू किया और वांछित प्रदर्शन के लिए भारतीय एमेच्योर टीमों को 20 विदेशी टूर्नामेंटों में भेजा।

सब-जूनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप

हरियाणा के 18 मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे

बेल्लारी ।
अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बढ़ाते हुए हरियाणा के 18 मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया और यहां कर्नाटक में इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में 2022 सब-जूनियर पुरुष और महिला नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है।

14 भार वर्गों में से हरियाणा की महिलाओं ने 10 श्रेणियों में और पुरुषों के वर्ग में आठ मुक्केबाजों ने सेमीफाइनल में जगह बनाने में कामयाबी हासिल की।

सोनिका और अंशु ने हरियाणा का नेतृत्व किया, जब उन्होंने महिलाओं के 38 किग्रा और 40 किग्रा क्वार्टर फाइनल में दिल्ली की महक वर्मा और मध्य प्रदेश की हिमानी को समान 5-0 के अंतर से हराया। आरजू (42 किग्रा), जोनी (44 किग्रा) और पायल (46 किग्रा) ने भी जीत दर्ज की, जबकि दीप्ति (48 किग्रा), भूमिका (50 किग्रा), हंसिखा (60 किग्रा) और लक्ष्य (63 किग्रा) ने शक्तिशाली आरएससी पर जीत दर्ज की।

साक्षी को लड़कियों के 36 किग्रा क्वार्टरफाइनल में दिल्ली की ख्याति पंवार के खिलाफ कड़ी मेहनत करनी पड़ी, लेकिन उन्होंने 3-2 के अंतर से जीत दर्ज की।

पुरुष के वर्ग में महेश ने 46 किग्रा क्वार्टर फाइनल में पश्चिम बंगाल के एसके आर्यन के खिलाफ 5-0 से जीत के साथ हरियाणा के लिए शानदार शुरुआत की।

बाद में विनीत कुमार (40 किग्रा), पीयूष (49 किग्रा), योगेश डंडा (52

किग्रा), लोकेश (64 किग्रा), जितेश सांगवान (67 किग्रा), यश कुमार (70 किग्रा) और पर्यास (प्लस 70 किग्रा) ने भी जीत हासिल की।

एलीट पुरुष वर्ग में मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) ने सब-जूनियर वर्ग में भी अपना दबदबा जारी रखा, क्योंकि उनके 10 मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया और अंतिम -4 चरण में प्रवेश किया।

मानशु ने एसएससीबी के लिए आक्रामक तरीके से दिन की शुरुआत की और 35 किग्रा क्वार्टर फाइनल में राजस्थान के चंदन सैनी के खिलाफ आरएससी की जीत का दावा किया। हर्ष (37 किग्रा), आकाश बधवार (40 किग्रा), प्रियांशु (43 किग्रा), मौसम सुहाग (46 किग्रा), देवांग (55 किग्रा), जशनदीप (58 किग्रा), नकुल शर्मा (61 किग्रा), प्रशांत (64 किग्रा) और हार्दिक पंवार (प्लस 70 किग्रा) ने जीत दर्ज कर पदक की दौर में आगे बढ़े।

इस बीच, महाराष्ट्र के सात मुक्केबाजों ने भी सेमीफाइनल में प्रवेश किया और महिलओं के वर्ग में पदक पक्का किया।

समीक्षा सोलंकी और भक्ति कुंगड़े ने मणिपुर के थोइबिसाना चानू और तमिलनाडु के एसएम चार्मी के खिलाफ क्रमश: 40 किग्रा और 63 किग्रा में 5-0 से जीत हासिल करके महाराष्ट्र का दबदबा बनाए रखा। दूसरी ओर, अक्षदा जादव (34 किग्रा), सुहानी बोराडे (46 किग्रा) और नया नवेली (52 किग्रा) ने 4-1 से जीत के साथ अपने-अपने विरोधियों से बेहतर प्रदर्शन किया।

चैंपियनशिप में देश भर की 31 टीमों के पुरुष वर्ग में 348 सहित 621 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। प्रत्येक बाउट में प्रत्येक राउंड के बीच एक मिनट के ब्रेक के साथ दो-दो मिनट के तीन राउंड होते हैं।

डायटीशियन की खूब है डिमांड

सैलरी भी होती है आकर्षक

बदलते समय ने हमारी दिनचर्या और खानपान की आदतों में काफी बदलाव ला दिया है। जंक फूड के नाम से सुपरिचित अनेक खाद्य पदार्थ और शीतल पेय अनगिनत लोगों की जीवन शैली का महत्वपूर्ण अंग बन चुके हैं। इस तरह उपयुक्त पौष्टिक व सुपाच्य आहार के अभाव में लोग पाचन सेबन्धी व अन्य शारीरिक परेशानियों का सामना करने को मजबूर हो रहे हैं। ऐसे में खानपान सेबन्धी सही जानकारी देने के लिए योग्य व्यक्ति की आवश्यकता पड़ती है। यह कार्य निःसन्देह आहार विशेषज्ञ या डायटीशियन ही बेहतर ढंग से कर सकता है।

डायटीशियन संतुलित और पोषक तत्वों से भरपूर उपयुक्त आहार सेबन्धी परामर्श देने के साथ-साथ मोटापे से परेशान लोगों को राहत देने का और सही जीवन शैली अपनाने को प्रेरित करने का काम भी करता है। तन और मन को स्वस्थ रखने वाले सही भोजन, एकाधिक बेमेल खाद्य पदार्थों से बचने, विभिन्न साध्य-असाध्य रोगों से ग्रस्त व्यक्तियों के उचित आहार का विवरण तैयार करना, विभिन्न कार्य क्षेत्रों से जुड़े लोगों का ऊर्जा की आवश्यकता के अनुसार सही आहार तय करना आदि मामलों में प्रशिक्षित डायटीशियन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। सुडौल और आकर्षक देहयष्टि की अभिलाषी जागरूक युवतियां और महिलाएं भी डायटीशियन का नियमित मार्गदर्शन प्राप्त कर लाभान्वित होती हैं। आम युवती, मॉडल, अभिनेता-अभिनेत्री, व्यवसायी, कामकाजी और घरेलू महिलाएं यानी विभिन्न वर्गों के लोग प्रायः नियमित रूप से डायटीशियन से परामर्श प्राप्त करते हैं।

डायटीशियन का कार्यक्षेत्र काफी सेभावनाओं से भरा होता है। चिकित्सा के क्षेत्र में एक डायटीशियन को पर्याप्त महत्व मिलता है। मरीज की उम्र, रोग, क्षमता, खानपान की आदतों, जीवन शैली, पाचन तन्त्र आदि के अनुरूप चिकित्सा के दौरान और उसके बाद आहार विशेषज्ञ द्वारा दिए गये परामर्श की आवश्यकता होती है। अधिकांश छोटे-बड़े अस्पताल, हॉस्टल, शिक्षण संस्थान, विभिन्न प्रतिष्ठानों की कैन्टीनों, भोजनालयों, होटलों, फिटनेस केन्द्रों, फूड प्रोसेसिंग केन्द्रों, यूनिसेफ, विश्व स्वास्थ्य संगठन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन संचालित विभिन्न संस्थानों आदि में डायटीशियन की सेवाएं ली जाती हैं। टीवी चैनलों और पत्र-पत्रिकाओं में नियमित रूप से आहार संबन्धी जानकारी देने का काम डायटीशियन ही करता है।

पाठ्यक्रम

स्नातक तथा स्नातकोार स्तर पर आहार विशेषज्ञ या डायटीशियन के पाठ्यक्रम में भोजन, जैव रसायन, शरीर विज्ञान, जैव सांेयिकी, शोध पद्धति, सूक्ष्म भोजन जैविकी, संस्थागत प्रबन्धन आदि शामिल हैं। बीए व बीएससी पाठ्यक्रम में भी पोषण विज्ञान एक विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। एमएससी में पोषण विज्ञान के रूप में यह एक पूर्ण विषय है। गृह विज्ञान, सूक्ष्म जीव विज्ञान, रसायन व औषधि विज्ञान में इसके लिए स्नातक होना चाहिए।

कुछ पाठ्यक्रमों में होटल प्रबन्धन तथा कैटरिंग विषयों के छात्रों को भी प्रवेश दिया जाता है। शिक्षण-प्रशिक्षण और परामर्श को अपना कॅरियर बनाने वाले छात्र इस क्षेत्र में पीएचडी भी कर सकते हैं। न्यूट्रीशन, डायटेटिस एवं फूड टेनोलॉजी में 3 वर्षीय पाठ्यक्रम अनेक विश्वविद्यालयों में उपलेध हैं। दिल्ली के लक्ष्मी बाई कॉलेज, विवेकानन्द कॉलेज, अदिति महिला कॉलेज, भगिनी निवेदिता कॉलेज में फूड टेनोलॉजी में बीए (पास) पाठ्यक्रम भी है। अनेक विश्वविद्यालयों में एमएससी गृह विज्ञान में फूड एंड न्यूट्रीशन पाठ्यक्रम है।

पाठ्यक्रम पूरा करने पर किसी अस्पताल या नर्सिंग होम में इंटर्नशिप करने के बाद प्रशिक्षु डायटीशियन के रूप में कॅरियर की शुरुआत होती है। इसके लिए गृह विज्ञान में बीएससी व खाद्य विज्ञान में डिप्लोमा न्यूनतम योग्यता है। किसी डायटीशियन या न्यूट्रीशनिस्ट के अधीन 1 वर्ष कार्य करने का अनुभव भी होना चाहिए। स्वतन्त्र रूप से डायटीशियन का कार्य करने के लिए पंजीकरण कराने हेतु एक परीक्षा भी उेीर्ण करनी पड़ती है।

प्रशिक्षु डायटीशियन को आरेभ में 3000-4000 रुपये और 3 माह बाद 5000-6000 रुपये प्रति माह मिलते हैं। डायटीशियन और न्यूट्रीशनिस्ट की तमाम संस्थानों में काफी मांग है। यहां वेतन के रूप में 12000-15000 रुपयों से भी अधिक मिलते हैं।

प्रशिक्षण संस्थान

- » नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन, जमात-ए-उस्मानिया, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश
- » इंस्टीट्यूट ऑफ इकॉनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय
- » लेडी इर्विन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय
- » गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर (पाठ्यक्रम- फूड एंड फर्मेंटेशन एंड प्रिजर्वेशन)
- » अविनाशलिंगम् इंस्टीटयूट फॉर होम साइंस, कोयम्बटूर (पाठ्यक्रम- फूड साइंस एंड प्रिजर्वेशन)
- » रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर
- » डॉ. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, उत्तर प्रदेश (पाठ्यक्रम- एमएचएससी) पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम न्यूट्रीशन व डायटेटिक्स
- » इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकॉनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय (पाठ्यक्रम- डिप्लोमा इन डाइटेटिक्स एंड पब्लिक हैल्थ)
- » श्री पद्मावती महिला विश्वविद्यालय, तिरुपति (पाठ्यक्रम- बीएससी, गृह विज्ञान के बाद न्यूट्रीशन व डाइटेटिक्स में 1 वर्षीय डिप्लोमा)
- » मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै, तमिलनाडु (पाठ्यक्रम- एप्लाइड न्यूट्रीशन व डाइटेटिक्स में 1 वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा)

बायोइन्फॉरमेटिक्स क्षेत्र में खूब अवसर उपलब्ध हैं नौकरी के

अगर आप एक ही शाखा के अंतर्गत बहुआयामी विषय पर काम करने का शौक रखते हैं तो बायोइनफारमेटिस के क्षेत्र में कॅरियर बनाएं। यहां आप को जीव विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक साथ काम करने का मौका मिलेगा। बायोइनफारमेटिस बनने के इच्छुक अेयर्थी को साइंस विषयों में 12वीं पास होना आवश्यक है।

आमतौर पर लोगों में धारणा है कि बायोइनफारमेटिस का क्षेत्र बायोटेनालाजी का ही हिस्सा है। कुछ हद तक ये सही भी है। लेकिन इसमें कार्य करने की प्रक्रिया बिलकुल अलग है। दरअसल यह जीव विज्ञान, केप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी से मिलकर बना एक नया बहुआयामी विषय है। इसके अंतर्गत जैविक सूचनाओं मसलन आरएनए/डीएनए, न्यूेलिक एसिड और प्रोटीन संरचना आदि का केप्यूटर की मदद से डाटाबेस तैयार किया जाता है। इस डाटाबेस का उपयोग सामान्य कोशिकीय क्रियाओं के व्यापक प्रस्तुतीकरण में किया जाता है। इससे शोधकर्ताओं को उनके अनुसंधानों में सहायता मिलती है। इन जैविक सूचनाओं का उपयोग रोग के लक्षण पहचानने तथा चिकित्सा में भी किया जाता है।

बायोइनफारमेटिस ही एक ऐसा क्षेत्र है जिसके जरिए पशु के रोग की जैविक सूचना के आधार पर शोधकर्ता मानव में उस रोग की प्रगति तथा उसके रोकथाम के बारे में निष्कर्ष निकाल सकते हैं। हालांकि मानव और पशुओं के रोगों में एकदम समानता नहीं होती है। यही कारण है कि फार्मास्यूटिकल उद्योग की रूचि जीनोम अनुक्रमिक योजनाओं में बढ़ी है। लिहाजा विभिन्न फार्मास्यूटिकल कंपनियों, बायोटेनोलाजी और उससे संबंधित उद्योगों में बड़े-बड़े बायोइनफारमेटिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट डिवीजन स्थापित किए जा रहे हैं। फेटानल, जीनोमिस, बाईमोलीकुलर, संरचना प्रोटीन संश्लेषण, शैल मेटाबोलिजमा, जैवविविधता ड्रग डिजाइन, वेसीन डिजाइन आदि का बायोइनफारमेटिस एक अभिन्न अंग है।

बायोइनफारमेटिस के क्षेत्र में स्थापित होने के लिए अेयर्थी को जीव विज्ञान के साथ-साथ मल्टीमीडिया डाटाबेस, डाटा एनालिसिस के टूल्स, मालीयुलर माडलिंग, वेब इंटरफेस डिजाइन, डाटा माइनिंग, यूनिस, वर्चुअल रिएलिटी सिस्टम और इंटलसेट का बेहतर ज्ञान होना आवश्यक है। एक बायोइनफारमेटिस वैज्ञानिक की पूरी दुनिया में भारी मांग है। इसलिए वह देश-विदेश के जिस कोने में चाहें, वहां नौकरी उनकी प्रतिक्षा करती रहती है।

बायोइनफारमेटिस अभी विद्यार्थियों के बीच लोकप्रिय नहीं हुआ है। इस कारण शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों की सेंया भी काफी कम है। नेशनल बायोइनफारमेटिस इंस्टीट्यूट और पुणे विश्वविद्यालय बायोइनफारमेटिस से अधिक जानकारी ली जा सकती है।

इंटरव्यू में ध्यान रखें यह बातें, नौकरी पक्की

भारतीय अर्थव्यवस्था एक बार फिर से विकास की तरफ बढ़ रही है और उसी का नतीजा है कि जल्द ही ढेरों नौकरियों का अवसर आप सभी उठा पाएंगे। लेकिन नौकरी उसे ही मिलेगी जो उसके काबिल होगा। आपकी पढ़ाई-लिखाई और अनुभव के अलावा भी बहुत सी चीजें हैं जो आपको एक इंटरव्यू में पास होने में मदद करती हैं। आज हम आपको बता रहे है ऐसी कुछ बातों के बारे में जो इंटरव्यू में आपको ध्यान रखनी चाहिए

अपने आप को जानिए

सबसे पहले आपको खुद को जानना जरूरी है कि आप अपनी जिन्दगी से चाहते`या हैं? किस तरह की नौकरी आपको पसंद है और`या आप जिस इंटरव्यू के लिए जा रहे हैं, उसके लिए तैयार हैं? एक बार तय कर लिया कि जाना ही है तो अपनी ग्रूमिंग पर ध्यान दीजिये। साफ कपडे, जूते, एक प्लेटेंट व्यक्तित्व के साथ इंटरव्यू पर जाइए और वहाँ भी आपको बॉडी लैंग्वेज से सिद्ध कीजिये कि आप सकारात्मक सोच वाले व्यक्ति हैं।

कंपनी और उनके प्रतिद्वंदी

इंटरव्यू से पहले ही जितनी हो सके, उतनी जानकारी निकाल लीजिये कंपनी और उसके प्रतिद्वंदियों के बारे में। आजकल इंटरनेट पर सभी तरह की जानकारी मिल जाती है, तो जब आप जाएं तो इस बात का पूरा ज्ञान हो कि किस तरह की कंपनी में आप काम करने जाएंगे और किस तरह का काम आपके लायक वहां हो सकता है।

आप में क्या खास है

याद रखिये, आप अकेले नहीं होंगे जो इंटरव्यू के लिए आये होंगे। ऐसे बहुत से दूसरे उेमीदवार भी होंगे जिनकी पढ़ाई या अनुभव आपसे मेल खाता होगा। तो फिर आपको नौकरी`यों मिलेगी? उस के लिए आपको इंटरव्यू लेने वालों को यह बताना होगा कि कैसे आपको नौकरी देकर वो आप के ऊपर कोई एहसान नहीं करेंगे बल्कि यह उनकी कंपनी के लिए भी फायदे का सौदा होगा। बराबरी का खेल खेलिए, जानिये कि कंपनी नौकरी`यों दे रही है, किस तरह की जरूरतें हैं उस कंपनी की और आप कैसे उन जरूरतों को पूरा करने के अलावा कुछ और भी कर सकते हैं उनके लिए।

सोशल मीडिया

आजकल की कंपनियां सिर्फ आपका बायोडाटा देख कर ही संतुष्ट नहीं हो जातीं। वो आप की सोशल मीडिया की जिन्दगी को भी ध्यान से देखती हैं यह समझने के लिए कि आप किस तरह के इंसान हैं, किस तरह के दोस्त हैं आपके, किस तरह की बातें आप अपने फेसबुक या ट्विटर अकाउंट पर लोगों के साथ बांटते हैं। इसलिए ध्यान रहे कि आपके सोशल मीडिया एकाउंट्स पर ऐसा कुछ न हो जो आपके खिलाफ जाए।

फ्लेक्सिबल रहिये

नौकरी जरूरी है अगर वो आपकी पसंद की है तो। खुले दिमाग से इंटरव्यू देने जाइए यह सोच कर कि किसी और शहर में भी पोस्टिंग हुई तो चलेगा। पैसे थोड़े ऊपर-नीचे भी हुए तो काम चला लेंगे। जरूरी यह नहीं सभी कुछ आपकी इच्छानुसार ही हो। कई बार इंटरव्यू में पैसों या दूसरे शहर की पोस्टिंग को लेकर सवाल सिर्फ इसलिए पूछे जाते हैं ताकि वो जान सकें कि आपकी क्या सोचते हैं उस बारे में। एक बार नौकरी शुरू कीजिये, आपका काम अच्छा रहा तो धीरे-धीरे सब चीजें आपकी मन के अनुसार हो ही जाएंगी।

बुरे हालात में अच्छा कैसे सोचें...?

ये तो सभी जानते हैं कि जीवन में उतार-चढ़ाव या फिर कहें कि सुख और दुःख दोनों का ही आना तय है। हम दोनों में से किसी को रोक नहीं सकते। पर अेसर ही यह होता है कि हम दुःख आने पर उसमे इतना डूब जाते हैं कि सुख आने पर भी उसे देख ही नहीं पाते। बल्कि हमे करना यह चाहिए कि दुःख या परेशानी में भी कुछ अच्छा सोचने की कोशिश करनी चाहिए। सवाल यह है कि आखिर किसी बुरी परिस्थिति में किस तरह अच्छा सोचा जाए? तो आइये हम साथ में जानने की कोशिश करते हैं कि किस तरह की परिस्थिति में किस तरह अच्छा सोचा जा सकता है।

कम मार्क्स मिलने पर

परीक्षा में कम अंक आने या अनुेीर्ण हो जाने का मतलब यह हुआ कि यह हमारे लिए एक मौका है जिसमें हम अपनी कमजोरियों और कम अंक आने की वजह पहचान सकते हैं और उन पर काम करके उेम परिणाम ला सकते हैं। परंतु इसके विपरीत हम निराश होकर बैठ जाते हैं, जिससे केवल

हमारी परेशानियां ही बढ़ती हैं।

नौकरी न मिलने पर

नौकरी न मिलने का मतलब यह हुआ कि दुनिया में जॉस खत्म नहीं हुए हैं। एक जॉब नहीं मिला तो`या हुआ, जो हमारे लिए सही होगा वह मिलेगा ही। हमें हमेशा बस 100 परसेंट देना है।

प्यार में धोखा

प्यार में धोखा मिले तो उसे भी एक अच्छे नजरिये से देखा जा सकता है। यह एक तरह से अच्छा है कि सही वेत पर सच पता चल गया। जो हुआ इतना भी बुरा नहीं हुआ। बेशक ही हमारे लिए उस इंसान से भी बेहतर कोई इंसान बना है जो सही समय आने पर हमारी जिंदगी में आ जाएगा।

दुर्घटना होने पर

यदि हमारे साथ कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है और हम अक्षम हो जाते हैं तो इसका मतलब हुआ हमने सबकुछ खोया नहीं है, बल्कि हमारे पास जिंदगी अभी भी बची हुई है। हमारे पास जो है हमें उसे खुद की सबसे बड़ी ताकत बनाना है।

अच्छी नौकरी चाहिए तो, रिज्युम में जरुर लिखें यह बातें

कई लोगों के साथ अेसर यह होता है कि पढ़े लिखे होने और ऐसपीरियस होने के बावजूद जब भी हम कोई नयी और बेहतर नौकरी लेने जाते हैं तो नहीं मिलती? आप में सब गुण हैं जो एक नौकरी के लिए चाहिए फिर भी आपको कंपनी से इंटरव्यू के लिए बुलावा नहीं आता? आप से कम तजुर्बे वाले या पढ़े -लिखे आदमी को नैकरी मिल गयी, लेकिन आपको नहीं मिली?

अगर आप की भी ऐसी ही कुछ समस्याए हैं तो समझ लीजिये कि कोई ना कोई कमी आप ही की तरफ से है। खास तौर पर यह कमी एक बायोडाटा में ही होती है। किसी भी कंपनी के पास रोज हजारों बायोडाटा पहुँचते हैं और एक रिसर्च के अनुसार उनके अफसर एक बायोडाटा पर अंदाजा सिर्फ 45 सेकंड ही लगाते हैं उसे परखने के लिए। अब आपका बायोडाटा इतना कमाल का होना चाहिए कि उतनी सी देर में आपकी एक बेहतर छवि बना दे ताकि आपको इंटरव्यू के लिए जोन आ जाए। आज हम आपको बता रहे है ऐसी ही कुछ बातों के बारे में जो आपके बायोडाटा में जरुरी होनी चाहिए

अनुभव

काम का ऐसपीरियंस बहुत जरूरी है लेकिन उस से भी जरूरी है कि जिस नौकरी के लिए बायोडाटा भेज रहे हैं, उसकी जरूरतों के अनुसार आपका ऐसपीरियंस हो। उसे पेश भी उसी तरह से किया जाए मान लीजिये सेल्स की नौकरी है तो सेल्स से मिलता जुलता अनुभव बायोडाटा में मुय रूप से डालिये, बाकी किसी और काम का अनुभव है तो उस ज्यादा तूल मत दीजिये।

स्किल्स

आजकल की बदलती दुनीया में, हर कंपनी यह चाहती है कि उसके कर्मचारियों के पास कुछ ऐसी स्किल्स हों जो उन्हें दूसरों से अलग कर दें। जैसे कि कंप्यूटर की स्किल्स या कोई ऐसा खास कोर्स आपने किया जो आपकी नौकरी में आपके काम आ सकता हो, उन्हें जरूर बायोडाटा में लिखिए।

उपलब्धियां

अपनी उपलेधियों को हलके शेदों में मत लिखिए बल्कि विस्तार से उनकी गहरायी में जाकर बताईये। ऐप्लॉयर यह जानने को उत्सक होते हैं कि अपनी पिछली नौकरी में आपने`या जलवा दिखाया। जैसे कि अगर आप सेल्स में हैं तो बताईये कि आपने कितना टारगेट पूरा किया, कंपनी की सेल को कहाँ से कहाँ पहुँचाया, कितने पैसे कंपनी के बचाये और ऐसी बातें जिनसे उन्हें अंदाजा लग सके कि आपकी उपलेधियाँ सिर्फ कहने के लिए नहीं हैं, उनमें दम भी है।

शिक्षा

जितनी ज्यादा पढ़ाई, उतने ज्यादा चान्सेस कि आपको नौकरी मिल जायेगी। खास तौर पर अगर आपकी शिक्षा ऐसे क्षेत्र में हुई है जिसकी जरुरत कंपनी को है। विस्तारपूर्वक उसके बारे में बायोडाटा में लिखिए और उन तारीफों के साथ कि कौन से साल और महीने में कौन सा कोर्स खत्म हुआ।

प्रेसेंटेशन

यह बहुत ही छोटी-सी बात लगती है सुनने में लेकिन असर बहुत गहरा होता है। जब कंपनी के मैनेजर के हाथ में आपका बायोडाटा आये तो ऐसा लगना चाहिए उसे देख कर कि अप्लाई करने वाले ने वाकई में मेहनत की है। एक साफ सुथरा बायोडाटा, कंप्यूटर से टाइप किया हुआ, साफ कड़क कागज पर, आँखों पर जोर ना डालने वाले फॉण्ट साइज में उन्हें मजबूर करेगा कि वो एक बार आपका बायोडाटा पढ़ें जरूर। यह करके आधी बाकी मार लेंगे आप। बाकी आधी बाकी इस पर निर्भर करेगी कि`या आपकी शिक्षा और काम का ऐसपीरियंस उनकी जरूरतों से मेल खाता है या नहीं।

लम्बाई

हर रोज हजारों बायोडाटा पढ़ने पड़ते हैं कंपनी के अफसरों को और उनके पास इतना वक्त होता नहीं कि वो लेबे-लेबे कहानी-सरीके बायोडाटा पढ़े। इसलिए बहुत जरूरी है कि आप अपने बायोडाटा की लेबाई 2 पेजे? से ज्यादा नहीं रखें, चाहे कुछ भी हो जाए। अगर आपका ऐसपीरियंस ज्यादा है या पढ़ाई की सूची लेबी है तो सिर्फ वही नौकरियाँ या शिक्षा के कोर्स लिखिए जो इस नौकरी के लिए जरूरी हों। किसी के पास वक्त नहीं होगा आपकी पूरी जिन्दगी का लेख-जोखा पढ़ने के लिए।

मीठा पसंद है, तो बन जाइए चॉकलेट के जादूगर

पाककला उद्योग करियर के बेहतरीन अवसरों से भरा हुआ है। इस क्षेत्र में प्रोफेशनल्स को हमेशा कुछ नया करने का मौका मिलता रहता है। ऐसा ही एक करियर ऑप्शन है, चॉकलेटियर का। चॉकलेटियर्स अपनी विशेषज्ञता से चॉकलेट्स के स्वाद और टेसचर को बढ़ाते हैं। अगर आपके अंदर भी अलग-अलग प्रकार की चॉकलेट्स के साथ प्रयोग करने का हुनर है, तो आप बन सकते हैं एक सफल और लोकप्रिय चॉकलेटियर।

चॉकलेट को भले ही हम स्वीट कैंडीज और बेकरी आइटेस में प्रयोग होने वाले एक इंग्रीडिएंट के रूप में ही जानते हैं, लेकिन विशेषज्ञ इसका इस्तेमाल और भी कई फूड आइटेस में करते हैं। कम ही लोगों को इस बात की जानकारी होगी कि चॉकलेट्स की अलग-अलग वैराइटीज के साथ प्रयोग करने के लिए बाकायदा स्किल्ड ऐसपर्ट्स को रखा जाता है। ये ऐसपर्ट्स ही चॉकलेटियर कहलाते हैं। अगर आपको भी अलग-अलग प्रकार की चॉकलेट्स को आजमाना पसंद है, तो आपमें एक चॉकलेटियर बनने के गुण मौजूद हैं..।

कौन होते हैं चॉकलेटियर?

आम तौर पर चॉकलेट्स से कन्फेशनरी आइटेस या मिठाइयां बनाने वाले शेस को ही चॉकलेटियर कहा जाता है। ये वो शेस होते हैं, जिन्होंने चॉकलेट में स्पेशलाइजेशन किया होता है और आकर्षक व स्वादिष्ट चॉकलेट्स की एक बड़ी रेंज तैयार करने में इन्हें महारत हासिल होती है।

अगर दूसरे शेदों में कहें, तो चॉकलेटियर्स वे कलाकार या जादूगर हैं, जो चॉकलेट को लेकर एक से बढ़कर एक बेहतरीन डिश तैयार करते हैं।

सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स

इस फील्ड में आने के लिए किसी भी विषय से इंटर पास होना जरूरी है। इसके बाद आप`यूलिनरी स्कूल से सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्सेज कर सकते हैं। चॉकलेट मेकिंग के स्पेशलाइज्ड कोर्सेज में आपको चॉकलेट प्रोसेसिंग और टेपरिंग, डिपिंग, मोल्डिंग और स्कल्पटिंग की टेनिस सिखाई जाती हैं। इन पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों को चॉकलेट के इतिहास, उसके घटकों`लेवर्स, टेसचर्स, खेती की टेनिस और प्रोसेसिंग के बारे में बताया जाता है।

चाहिए ये स्किल्स

एक चॉकलेटियर बनने के लिए बेसिक कुकिंग स्किल्स के साथ-साथ धैर्य और खुला दिमाग होना बहुत जरूरी होता है। यह करियर उन लोगों के लिए श्रेष्ठ है, जिन्हें मीठा बहुत पसंद है। इसके अलावा आपमें चॉकलेट का सटीक ज्ञान, सृजनात्मकता, कल्पनाशक्ति, काम के प्रति समर्पण, लंबे समय तक काम करने की क्षमता, डीटेलिंग के प्रति सतर्कता, मार्केटिंग और पीआर स्किल्स होना भी जरूरी है। इस फील्ड में सफल होने के लिए आपमें चॉकलेट्स को रचने का पैशन होना चाहिए।

कहां हैं अवसर?

क्वॉलिफाई करने के बाद आपको पहले तो किसी स्थापित चॉकलेटियर के साथ इंटर्नशिप या ट्रेनिंग लेनी होगी। उसके बाद आप स्वतंत्र रूप से अपना करियर शुरू कर सकते हैं। इस फील्ड में आप एंटरप्रेन्योर के तौर पर अपना करियर बना सकते हैं और कॉर्पोरेट्स, गिट स्टोर्स,`लोरिस्ट्स तथा बेकरीज से टाई-अप करके अपने उत्पादों की मार्केटिंग कर सकते हैं। आप चॉकलेट टेस्टर के तौर पर भी कन्फेशनरी इंडस्ट्री में करियर बना सकते हैं। इसके अलावा आप हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में रूज, शिप्स, बड़े बड़े होटल्स, रिजॉर्ट्स और कसीनोज में बतौर डिजर्ट ऐसपर्ट काम कर सकते हैं। आप बड़ी-बड़ी चॉकलेट मेकिंग कंपनीज में भी काम कर सकते हैं।

कमाई कितनी?

कमाई के लिहाज से यह करियर बेहद आकर्षक है। अगर आप बिजनेस करें, तो यह लो-कॉस्ट बिजनेस है। ग्राहकों को क्वॉलिटी प्रोडेट उपलेध कराकर अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है। यदि आप जॉब करना चाहते हैं, तो हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री में आप 5-7 लाख के पैकेज से शुरुआत कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- » चॉकलेट अकेडमी, मुंबई
- » बैरी कॉलेबॉट इंडिया प्रा लि, मुंबई
- » काफ्ट एंड सोशल डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, नई दिल्ली
- » स्विसरैप चॉकलेट अकेडमी, मुंबई
- » मैगनिफिशेंस अकेडमी ऑफ पैकेजिंग प्रोफेशनल्स

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)